

मूल्य : एक प्रति दस रुपये

भार्गव पत्रिका

जनवरी, 2025

भार्गव सभा का मुख्यपत्र (68वाँ वर्ष) अंक 10

मकर संक्रांति
2025



समरत जाति बन्धुओं को
मकर संक्रांति 2025 की
हार्दिक शुभकामनाएँ

देश, जाति अरु धर्म की, सेवा करहु हमेश।
देती, 'भार्गव पत्रिका' यही शुभ सन्देश ॥



Jolly®
Since 1944

JUST FIT & FORGET



ABOUT US

Jolly Engineering Works, the pioneers in Hinges & builder's hardware, was founded by late Sh. Jitender Nath Bhargava in 1944. The pioneers then are leaders today.

With this far sighted vision, we were the 1st manufacturer to have started Piano Hinges on a completely automatic German plant.

For the past eight decades, Jolly Engineering has stood by its commitment to delivering sheer excellence. Our exquisitely crafted products bring a heightened aesthetic experience and create a remarkable benchmark in the hardware industry.

Every company originates from a vision and builds its empire by passionately working round the clock for years together. Jolly strongly believes that minute details also make a huge difference. Our premium range of Hinges, Mortice Handles, Locks, Ball Bearing Slides, Tower Bolts, Kitchen, as well as our Window hardware is crafted using pioneered cutting-edge technology.

Our exceptional craftsmanship and advanced technological solutions push our company to deliver innovative designs blended with sustainability. From one generation to the other, the Jolly family has handed down unparalleled work ethics and unique craftsmanship skills. We celebrate the 'Made in India' initiative and envision taking it one step further with our exclusive products and services.

We embrace innovation and collectively strive toward achieving high customer satisfaction levels. Our sole purpose is to offer the finest quality products coupled with exceptional customer services. We promote brilliance and consistent evolution of technologies to bring about a revolution in hardware. With this dedication, we thrive to be the industry leaders.

"Jolly Products", Yes, they have to be seen to be believed."



E-43, SMA Co-op Indl. Estate, Delhi - 33 (formerly at 1/3, Roop Nagar, Delhi)

18002020450 | www.jollyengg.com | hinges@jollyengg.com



ADVENT GROUP OF COLLEGES

“Building Nation Through Quality Education”

Managed By: Alokik Foundation (Trust)

Office:- 19, Kesar Kunj Road Number-1, New Bhupalpura Udaipur 313001.

ADVENT COLLEGE OF PHARMACY

(B. Pharm & D. Pharm)

(Approved By: PCI & Affiliated With RUHS, Jaipur)

ADVENT COLLEGE

(B.C.A.)

(Approved By: AICTE & Affiliated With JNVU, Jodhpur)

ADVENT PARAMEDICAL COLLEGE

(DMLT & DRT)

(Approved By: IPC New Delhi & Affiliated With RPC, Jaipur)



Dr. Alok Bhargava
(M. Pharm & Ph.D.)
Chairman



Dr. Ritu Bhargava
(M. Pharm & Ph.D.)
Founder Trustee



Mr. Tushar Bhargava
(MBBS Final Year Student)
Managing Director



Address:- Dhani Road, Khudala -Falna Station Tehsil-Bali District-Pali, Rajasthan, Pin Code 306116

E- Mail ID: -alokikfoundation2017@gmail.com, Mobile No : 9828030740



ADVANCE GROUP of COLLEGES



ADVANCE INSTITUTE OF BIOTECH & PARAMEDICAL SCIENCES

(A.K.T.U. College Code: 188)

ADVANCE COLLEGE OF EDUCATION

(A.K.T.U. College Code: 1015) (B.T.E. Code: 3387)

AFFILIATED TO

- Dr. A.P.J. Abdul Kalam Technical University, Lucknow
- B.T.E. & S.C.E.R.T. Uttar Pradesh
- C.S.J.M. University, Kanpur

COURSES OFFERED

- D.PHARM • B.PHARM • M.PHARM
B.Ed. • B.T.C. (D.El.Ed.)

APPROVED BY

- A.I.C.T.E. •
N.C.T.E., New Delhi •
Pharmacy Council of India •

Dr. C.S. Bhargava (Chairman)
(M): 9415040326, 9336651555
Dr. Mayank Thakur (Director)
Dr. Shilpi Bhargava (Director)

Mrs. Abha Bhargava (Administrator)
Mr. Mihir Bhargava (Advisor)
Dr. Cheenu Bhargava (Advisor)
Mr. Sachin Bhargava (Advisor)

Managed by : Pt. H.S. Bhargava Charitable Society (Regd.)



Dr. C.S. Bhargava
Secretary



Abha Bhargava
President



Sachin Bhargava
Treasurer



NARAMAU, KANPUR. (M): 9415040326, 9336651555, 8604636739
website: www.advancecolleges.org • e-mail: advancecolleges@gmail.com

पंजीकरण का 68वाँ वर्ष

जनवरी, 2025

अंक 10



शुल्क - धरोहर जमा राशि : रु. 1500

• सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक :
हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव,
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रज.)
ईमेल: abbsairtel@gmail.com /
abbsbhargavapatrika@gmail.com

• प्रबन्ध सम्पादक :
निहाल भार्गव, नई दिल्ली, मो.: 09810234705

• सह-सम्पादक :
डॉ. राजकुमारी, उदयपुर, मो.: 09460328260
कपिल भार्गव, अलवर, मो.: 09414640378
राकेश भार्गव, लखनऊ, मो.: 09450450255
प्राणनाथ भार्गव, गुडगाँव, मो.: 09871143837

• मुद्रण का स्थान :
रैक्मो प्रेस प्राइवेट लिमिटेड
I-57, UPSIDC इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-V,
कासना, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)

• प्रकाशन हेतु सामग्री निम्न पते पर भेजें:-
सम्पादक, 'भार्गव पत्रिका': 305, IIIrd Floor,
एवलोन अपा., न्यू मंगलापुरी, नई दिल्ली-110030

फोन : 011-41403536

<abbsbhargavapatrika@gmail.com>

Bhargava Patrika is available on website
www.bhargavasamajglobal.org

* * *

Complimentary facilities from ABBS

Please send your email ID to us for
sending future issues to you directly.

You can also send your mobile
numbers to us for receiving issues in
multipule colours through WhatsApp.

भार्गव पत्रिका]

भार्गव पत्रिका

भार्गव सभा का मुख्य पत्र
प्रकाशन का 126वाँ वर्ष

नया सवेरा

नववर्ष सबके लिए मंगलमय हो, इन्हीं भावनाओं के साथ आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन। माह दिसम्बर के अंतिम सप्ताह से ही हम सब नववर्ष के आगमन के लिए ताना-बाना बुनने लगते हैं। मसलन गत वर्ष की उपलब्धियाँ, लक्ष्य तक पहुँचने में कठिनाइयाँ या चूक, अपने व्यवहार, कर्म, समर्पण, सहयोग व सेवा भावना से कार्य करने में क्या पाया? क्या खोया? क्या कमी रही? क्या और किया जा सकता था? आदि-आदि का आंकलन करते हुए नववर्ष के आगमन के लिए नए सपने संजोने लगते हैं। अतः जरूरी है सपनों को साकार रूप देना।

यह तभी सम्भव है जब एकाग्रचित् से, हम पूर्ण निष्ठा से, खुले विचारों का स्वागत करें। अपने मन में उठ रहे सवालों का निष्पक्षता से जवाब ढूँढें ताकि अपनी दिनचर्या में इन्हें शामिल कर अमल में लाया जा सके।

एक बात जो मेरे मन को कहीं न कहीं व्यथित कर रही है वह यह कि चुनाव द्वारा बदलाव समाज में हर स्तर पर होना चाहिए क्योंकि कहावत है - रोटी जली क्यों? घोड़ा अड़ा क्यों? पान सड़ा क्यों? क्योंकि फेरा नहीं था। परन्तु आप सब विचार करें कि बदलाव का यह तरीका कहाँ तक सही ठहराया जा सकता है? यह बात भी कही जाती है कि पूर्व में भी चुनावों में यह परम्परा अपनाई गई थी तो अब क्या गलत हुआ? प्रश्न यहाँ सही-गलत का नहीं है, अपितु हमारा समाज जिसे जहाँ उच्च शिक्षित, सभ्य, संस्कारित व गरिमामय स्थान प्राप्त वर्ग कहा जाता है वहाँ यह परम्परा अपनाई जा

कृ.पृ.उ.

रही है तो क्या यह स्वस्थ परम्परा कहलाएगी? इस पर रोक लगाने जैसे कार्य के लिए नई कार्यकारिणी पहल करेगी, ऐसा विश्वास है। आप स्वयं आंकलन करें कि क्या? - वर्तमान में अखिल भारतीय भार्गव सभा के दायित्वधारियों ने समाज के लिए कुछ भी अच्छा या सही नहीं किया, समाज को आगे ले जाने के लिए अथक परिश्रम नहीं किया? हमारे सामान्य जनों को आर्थिक सहायता, उनकी शिक्षा-दीक्षा के लिए पहल नहीं की? आदि-आदि। उनके द्वारा किए गए कार्यों को महत्व देना हम सबका कर्तव्य बनता है। हम सब एक ही परिवार के सदस्य हैं। इतने बड़े परिवार को साथ लेकर चलना सामान्य बात नहीं है, कहीं न कहीं त्रुटियाँ हो सकती हैं, पर किसी को दोषी ठहराना शायद उचित नहीं होगा। हो सकता है आप मेरी बात से सहमत न हों।

कहा भी है कि सुसंस्कृत दिमाग के दरवाजे व खिड़कियाँ हमेशा खुली रहती हैं। इसमें अन्य व्यक्तियों का दृष्टिकोण समझने की पूरी क्षमता होती है फिर भले ही वो उससे सहमत न हों। किसी बात को समझने पर ही तो किसी से सहमति या असहमति का सवाल पैदा होता है अन्यथा वह असहमति केवल विवेक शून्य नकारना कहलाएगी और ऐसी असहमति किसी भी सवाल के प्रति परिकृष्ट/सुलझे हुए नजरिए का परिचायक नहीं होती।

इस अवसर पर मेरा आप सबसे करबद्ध अनुरोध है कि नए दायित्वधारियों के कुशल नेतृत्व में अखिल भारतीय भार्गव सभा उत्तरोत्तर उन्नति करे, नए आयाम स्थापित करे। इस हेतु हम सब उनके साथ खड़े रहकर आपसी स्नेह व समाज हित में निःस्वार्थ कार्यों को करने का उदाहरण प्रस्तुत करें।

अतः हम सब संकल्प लें कि सकारात्मक उदार दृष्टिकोण व स्वस्थ सोच यथा सम्भव परिवार, समाज, देश व स्वयं के लिए उदाहरण बनें। कमी निकालने के स्थान पर उसमें सुधार के लिए सुझाव दें व लें। वर्षों से चले आ रहे कार्यों का विश्लेषण करते हुए समीक्षा करें, वार्षिक कार्य योजना बनाकर चरणबद्ध रूप से सभी का सहयोग प्राप्त कर कार्यात्मक रूप से धरातल पर उतारें। स्वस्थ सोच से ही समाज का कल्याण सम्भव है।

समाज की उन्नति हो, इसमें एकजुटता, वर्चस्व, देश-विदेश में एक अलग पहचान बने, इस हेतु पत्रिका में अपने विचार, लेख, घटनाओं, उदाहरणों के माध्यम से अवश्य प्रकट करें ताकि युवा पीढ़ी व समाज से कटते परिवारों को पुनः मुख्य धारा में लाया जा सके।

पुनः आप सभी को नववर्ष (अंग्रेजी) की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। इस विश्वास के साथ कि हम सब एक हैं व सब मिलकर अपने समाज को सशक्त बनाकर, सेवा व सद्कार्यों से उन्नति के मार्ग पर ले जाने का भरपूर प्रयास कर सफलता अर्जित करेंगे।

— डॉ. राजकुमारी भार्गव, उदयपुर (सहसंपादक, भार्गव पत्रिका)

क्या आप जानते हैं?

भार्गव पत्रिका, बहुरंगी स्वरूप में वैवसाइट www.bhargavasamajglobal.org पर उपलब्ध करायी जाती है। भार्गव पत्रिका ईमेल द्वारा भी भेजी जाती है। दोनों माध्यमों से भार्गव पत्रिका प्रकाशन के उपरान्त तुरन्त पढ़ने को मिल जाती है। आप भी इन सुविधाओं का भरपूर लाभ उठावें।

कुछ परिवारों से भार्गव पत्रिका समय पर न मिलने की शिकायत आती है, वे कृपया अपने स्थानीय डाकघर से सम्पर्क करें। सभा कार्यालय द्वारा सभी प्रतियाँ एक साथ गिनकर डाकघर को सौंपी जाती हैं।

विषय सूची

नया सवेरा : डॉ. राजकुमारी भार्गव, उदयपुर	5-6
इस अंक में दिये गये विषयों की सूची	7
सम्पादक के नाम दो पत्र : पं. राजकिशोर भार्गव, भोपाल	8
आवश्यक सूचना एवं अनुरोध	8
लखनऊ का ऐतिहासिक अधिवेशन : कु. चित्रा भार्गव, सचिव-लखनऊ भार्गव सभा	9-14
स्व. श्री कृष्ण भार्गव निबंध प्रतियोगिता का परिणाम	14
साँस्कृतिक समिति की लखनऊ में आयोजित 133वें अधिवेशन की रिपोर्ट	15-16
अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ : चुनाव अधिसूचना - सत्र 20025-27 हेतु	17-19
जाति के गौरव : पं. राजकिशोर भार्गव, भोपाल	20
संयम का आधार - श्रीमती अरुणा भार्गव, भोपाल	20
लखनऊ में सम्पन्न सभा के 133वें वार्षिक अधिवेशन की झलकियाँ	21-24
बहुरंगी विशेष वैवाहिक प्रत्याशी विवरण : 2 युवतियाँ	25, 27
KSS Shipping Services Pvt. Ltd., Mumbai द्वारा	27
CSR के अंतर्गत सभा को आर्थिक योगदान	
श्री गोपाल प्रसाद एवं श्रीमती विद्या देवी भार्गव स्मृति निधि, जोधपुर (2021) में अतिरिक्त दान	29
भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्य स्मृति दिवस 11-1-2025 पर	31
Homage to late Smt. Padma Bhargava, w/o late Dr. K.M. Bhargava, Alwar	33
कुलदेवी दर्शन यत्रा : चार कुलदेवियाँ	37-38
नृत्यरत नटराज - महादेव : श्रीमती वीणा भार्गव, अलवर	38-39
नव वर्ष व्यथा : एक सनातनी, श्री राजेश भार्गव, जयपुर	40-41
शायद मुझे जीना आ गया है : संकलित	42-43
अहंकार : श्री बालकृष्ण भार्गव, दिल्ली	44-45
मोबाईल : श्री बालकृष्ण भार्गव, दिल्ली	45
समय का चक्र : श्री बालकृष्ण भार्गव, दिल्ली	46
रामचरित्र मानस में प्रतिपादित सिद्धांत : श्री ललित मोहन भार्गव, अलवर	47-48
समाज में बढ़ते विवाह संबंध विच्छेद और तलाक : कारण एवं निवारण के उपाय	69-70
जातीय समाचार	71-72
हमारी स्थानीय सभाएँ : भोपाल, रेवाड़ी, झाँसी, कानपुर, लखनऊ, बैतूल, गाजियाबाद	73-78
हमारी महिला सभाएँ: मुलताई, उज्जैन, दिल्ली, आगरा, अलवर, जबलपुर, अजमेर, वाराणसी	79-84
भार्गव मानसरोवर समिति जयपुर : पौष बड़ा का कार्यक्रम	85

संपादक के नाम पत्र

अखिल भारतीय भार्गव सभा का 133वाँ वार्षिक अधिवेशन लखनऊ में सम्पन्न हुआ। यह हर्ष और गर्व का विषय है। इस सफल अधिवेशन आयोजन के लिए सभा के सभी पदाधिकारीगण एवं विशेषकर श्री गिरीश जी (लखनऊ, मुख्य संयोजक अधिवेशन, उप प्रधान) और श्री विवेक जी (अध्यक्ष, लखनऊ भार्गव सभा) तथा सुश्री चित्रा भार्गव (सचिव, लखनऊ सभा भार्गव) अविशेष आदर के सुपात्र हैं, उन्हें समाज की तरफ से सादर धन्यवाद प्रेषित हैं, जिन्होंने सामूहिक रूप से इस अधिवेशन की समुचित व्यवस्था आदि कार्यों को सुचारू रूप से सम्पन्न किया गया।

अधिवेशन में पधारे सभी स्वजातीय 'भार्गव-ब्राह्मण' बन्धुओं का भी इस पत्र के माध्यम से आभार है, जिनके आगमन के कारण सभा के अधिवेशन में सदस्यों की उपस्थिति का नवीन किर्तिमान स्थापित हुआ। सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

अखिल भारतीय भार्गव सभा के 133वें अधिवेशन के अवसर पर प्रतिवर्ष के अनुसार एक स्मारिका का प्रकाशन सभा के द्वारा किया गया।

इस स्मारिका में हमारे पूर्वजों का विवरण, समाज सुधार और विविध विषयों पर विद्वान लेखकों के लेख प्रकाशित किये गये हैं। जिसके लिए यह स्मारिका अविस्मरणीय पाठ्य सामग्री से परिपूर्ण होने के कारण संग्रहणीय है।

'स्मारिका' प्रकाशक मण्डल के सभी सदस्य प्रशंसा के योग्य हैं। विशेष रूप से श्री कपिल जी, (अलवर) जिन्होंने अपनी बुद्धिमत्ता से स्मारिका को महत्वपूर्ण बना दिया। स्मारिका के सम्पादक मण्डल, श्री कपिल जी और सभी लेखकों का आदर तथा विज्ञापन दाताओं का आभार प्रेषित है। सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

— पं. राजकिशोर भार्गव, 3/A, वल्लभ नगर, विजय नगर,
लालघाटी, भोपाल, मो.: 9685049401

आवश्यक सूचना एवं अनुरोध

समस्त जाति बन्धुओं/स्थानीय भार्गव सभाओं को सूचित करना चाहेंगे कि 'भार्गव पत्रिका' के पंजीकरण के सम्बन्ध भारत के समाचार-पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में रजिस्ट्रेशन सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण होनी शेष है। अतः आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि कृपया भार्गव पत्रिका में प्रकाशन हेतु समाचार/सूचनाएँ तथा बैठकों की कार्यवाही तथा पत्राचार इत्यादि डाक/कूरियर द्वारा 'अखिल भारतीय भार्गव सभा' के निम्नलिखित स्थायी पते पर ही भेजें:

**Akhil Bhartiya Bhargava Sabha (Regd.),
Flat No. 401, 3rd Floor, Empire Apartments,
M.G. Road, Sultanpur, New Delhi-110030, Tel.: 011-41403536
Email: abbsairtel@gmail.com / abbsbhargavapatrika@gmail.com**

पत्रिका में प्रकाशित लेख, कविताएँ, संस्मरण इत्यादि लेखकों के स्वर्ण के अपने विचार होते हैं। सम्पादक मंडल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

— सम्पादक मंडल, भार्गव पत्रिका

लखनऊ का ऐतिहासिक अधिवेशन

नवाबों के शहर लखनऊ में दिनांक 21, 22 एवं 23 दिसंबर 2024 को लखनऊ वासियों द्वारा अपनी नजाकत और तहजीब के साथ इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर के विशालकाय सुसज्जित प्रांगण में भारतवर्ष के विभिन्न शहरों से व कुछ सदस्य विदेशों से भी पधारे थे। उनका लखनऊ की पारम्परिक संस्कृति शहराई वादन से सुबह 8 बजे अधिवेशन स्थल पर स्वागत हुआ। स्वागत हेतु कार्यक्रम के 'मुख्य संयोजक' श्री गिरीश जी, 'स्थानीय संरक्षक' श्री सुनील जी, 'अध्यक्ष' श्री विवेक, 'सचिव' कु. चित्रा जी, 'कोषाध्यक्ष' श्री संजीव जी अपनी पूरी कार्यकारिणी टीम के साथ पूर्ण उत्साह के साथ लखनवी परिधान में स्वागतोत्सुक उपस्थित थे।

साथ में अधिवेशन के 'मुख्य स्वागताध्यक्ष एवं पूर्व प्रधान' श्री प्रकाश नारायण जी (लखनऊ) तथा अन्य 'स्वागताध्यक्ष एवं पूर्व प्रधान' - श्री सुरेन्द्रनाथ जी (जोधपुर), श्री सुरेश कुमार जी (दिल्ली), डॉ. रवि जी (कोटा) तथा 'स्थानीय सह स्वागताध्यक्ष' श्री मुनीश जी, संजीव जी, रविंद्र जी, रीता जी, उत्तरा जी, अभिनव जी व विनीत जी कार्यक्रम स्थल पर प्रातः अतिथियों के सम्मान एवं सत्कार हेतु विराजमान थे।

प्रवेश द्वार पर ही प्रातः 8 बजे से ऑनलाइन व ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर सुव्यवस्थित तरीके से तैयार था। जिसमें पधारे मेहमानों को अति शीघ्रता से कार्ड प्रदान किये जा रहे थे जिसकी स्थानीय संयोजिका थी श्रीमती गीता भार्गव जिन्होंने अपने सह संयोजकों - डॉ. अनुजा जी, मनीष जी, मीना जी, अरुणा जी, तूलिका जी, पूनम जी के साथ सुचारू रूप से कार्य किया। डॉ. धीरज कुमार जी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मनीषा जी जो कि गाजियाबाद से पधारे थे उन दोनों ने इस कार्य में अभूतपूर्व सहयोग किया तथा अरुणा जी, विशाल जी एवं विनीत जी (कानपुर) द्वारा भी सहयोग दिया गया। साथ में 4 आई.टी. मैनेजर्स (शिवम सारस्वत, अमित कुमार, रोहित मिश्रा व पीयूष श्रीवास्तव) जो कि लखनऊ की सचिव कु. चित्रा जी द्वारा लैपटॉप, डॉगेल इत्यादि के साथ दिए गये थे उनका भी अभूतपूर्व योगदान रहा, जिसके कारण रजिस्ट्रेशन कार्य बहुत सफलता पूर्वक चलता रहा और काउंटर पर बिल्कुल भी भीड़ एकत्रित नहीं हुई। कुल 4567 सदस्यों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हुआ व 652 सदस्यों का ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन हुआ।

अधिवेशन का शुभारम्भ हवन द्वारा किया गया जो कि पंडित जी के मंत्रोचार द्वारा अखिल भारतीय भार्गव सभा के 'प्रधान' श्री नरेश जी, 'प्रधान सचिव' श्री हीरेंद्र नाथ जी एवं 'कोषाध्यक्ष' श्री सुनील जी ने किया। अन्य अखिल भारतीय के सदस्य व स्थानीय पदाधिकारी व सदस्यगण भी मौजूद थे। साथ ही लखनऊ भार्गव सभा द्वारा हनुमान चालीसा पाठ किया गया। लखनऊ की सदस्या श्रीमती गीता भार्गव द्वारा बनाया गया खूबसूरत केक भी काटा गया।

तत्पश्चात् कार्यक्रम के मुख्य अतिथि "उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश" श्री बृजेश पाठक जी पधारे। 'अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष' श्री प्रकाश नारायण जी द्वारा मुख्य अतिथि का माल्यार्पण किया गया। साथ में अधिवेशन के 'मुख्य संयोजक' श्री गिरीश जी, 'स्थानीय अध्यक्ष' श्री विवेक जी व 'सचिव' कु. चित्रा जी द्वारा उनका भव्य स्वागत व सत्कार किया गया। मुख्य अतिथि जी द्वारा झंडारोहन करवाया गया तथा साथ में उनके कर कमलों से स्मारिका का विमोचन भी किया गया। स्मारिका के प्रबंध संपादक थे - शिक्षाविद् श्री कपिल भार्गव (अलवर)। मुख्य अतिथि जी के अभिवादन में युवा संघ द्वारा सफेद गैस के गुब्बारे व 2 सफेद कबूतर हवा में उड़ाये गये। उप मुख्यमंत्री जी ने अपने सम्बोधन में भार्गव समाज की तरकी का आशीर्वाद दिया व लखनऊ में प्रस्तावित परशुराम भवन के निर्माण कार्य में सहयोग का आश्वासन भी दिया।

की प्रसिद्ध मलाई गिलोरी, मलाई मक्खन व पान की विभिन्न वैरायटी के स्टाल्स शामिल थे। दोपहर लंच व रात्रि डिनर की भी उत्तम व्यवस्था थी। फ्री आरओ. वॉटर, डिस्पोजबल गिलास के साथ उपलब्ध था।

अधिवेशन का आकर्षण बिंदु युवा मंच द्वारा प्रस्तुत आकर्षक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों ने सबका मन मोह लिया, जिसका संचालन ‘स्थानीय अध्यक्ष’ अभिनव जी व ‘सचिव’ शिखा जी अपनी समस्त टीम आदित्य जी, चेतन जी, मुस्कान जी, रिनी जी के साथ कर रहे थे।

अखिल भारतीय युवा संघ के ‘अध्यक्ष’ श्री हेमंत जी व ‘प्रधान सचिव’ श्री सौरभ जी ने मंच संचालन में अभूतपूर्व सहयोग दिया।

विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारी व प्रतिभागिता का श्रेय जाता है – श्री अभिनव, शिखा (नितिन), शिखा (अभिनव), श्वेता, साक्षी, इक्षा, अविका, अनुरिता, गरिमा, नेहा, नम्रता, परिधि, पल्लवी, तनु, प्रियंका, वीलू, दीपाली, सांझी, शालिका, दीपांकर, अपेक्षा, शिवांगी एवं रुपेश जी को।

युवा मंच से प्रस्तुत कार्यक्रम हनुमान चालीसा डॉस, दुर्गा स्तुति, कपल डॉस, औंन द स्पॉट्स गेम्स, कपल रैंप वाक, युगल गायन, टैलेंट शो, हाऊजी, लकी ड्रा इत्यादि द्वारा सबको खूब आनंदित किया गया। सभी विजेताओं व प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार दिए गये।

इस अवसर पर लखनऊ युवा संघ द्वारा विभिन्न शहरों से पधारे युवा संघ के अध्यक्ष एवं सचिव का सम्मान भी किया गया।

ग्लोबल भार्गव महिला सभा (रज.) कार्यक्रम का उद्घाटन लखनऊ की मेरय महापौर श्रीमती सुषमा खड़गवार द्वारा किया गया। तदोपरान्त ग्लोबल भार्गव महिला सभा तदर्थ की ‘अध्यक्षा’ श्रीमती रेनू जी (कानपुर) एवं ‘कार्यवाहक सचिव’ श्रीमती उत्तरा जी (लखनऊ) द्वारा कला प्रदर्शनी व अन्य प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई और परिणामों की घोषणा की जो कि निम्नलिखित हैः-

- **बंदनवार प्रतियोगिता:-** ‘प्रथम’ नेहा जी (हैदराबाद); ‘द्वितीय’ पूजा जी (लखनऊ) एवं ऋतु जी (सिरोंज); ‘तृतीय’ अंजना जी (कानपुर)।
- **ड्राई फ्रूट से बने गहने:-** ‘प्रथम’ संगीता जी (आगरा); ‘द्वितीय’ अणिमा जी (लखनऊ); ‘तृतीय’ ऋतु जी (सिरोंज)।
- **जार डेकोरेशन:-** ‘प्रथम’ पूजा जी (लखनऊ); ‘द्वितीय’ मीना जी (लखनऊ); तृतीय मयूरी जी (लखनऊ) एवं कृतिका जी (अलवर)।
- **कलाप्रदर्शनी:-** ‘प्रथम’ पूजा जी (लखनऊ), सुमित्रा जी (कानपुर) एवं पूजा जी (दिल्ली); ‘द्वितीय’ मीरा जी (लखनऊ) एवं शिखा (नितिन, लखनऊ); ‘तृतीय’ ऋतु जी (सिरोंज) एवं बरखा जी (लखनऊ)।
- **सांत्वना पुरस्कार:-** अंशु जी (आगरा); ऊषा जी (लखनऊ) एवं श्रेया जी (आगरा)।

समस्त विजेताओं को GBMS की ओर से पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को भार्गव महिला सभा, लखनऊ द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात भोजन उपरांत अखिल भारतीय भार्गव सभा की साधारण वार्षिक बैठक का प्रथम सत्र ऑडिटोरियम में प्रारम्भ किया गया। श्री राकेश जी (गणेशगंज, लखनऊ) द्वारा सबका स्वागत किया गया और मंचासीन करवाया गया। ईश वंदना से सभा का प्रारम्भ हुआ। पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया एवं मीटिंग में ऐजेंडा के अनुसार कार्यक्रम सम्पादित किये गये। इसके उपरांत मान-सम्मान पुरस्कार कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ जो कि अखिल भारतीय भार्गव सभा के पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध प्राप्त सदस्यों को विभिन्न श्रेणी के अंतर्गत प्रदान किया गया। इस कार्य में डॉ. अनुजा जी एवं प्रज्ञा जी ने सहयोग किया।

डॉ. मनीषा जी, प्रीति जी, गीता जी, परिधि जी व पल्लवी जी ने सराहनीय सहयोग दिया। श्रीमती अमिता जी (अलवर) व श्री हेमंत जी (अलवर) ने मंच संचालन का कार्य किया।

तदोपरांत विशालकाय ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय भार्गव सभा की साँस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित नृत्य प्रतियोगिता जो कि विभिन्न आयु वर्ग में अलग-अलग विषयों पर आधारित थी जिसमें विभिन्न शहरों से पधारे करीब 72 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का जजमेंट करने के लिए 3 अति कबिल नृत्य पारंगत जजों ने निर्णय दिया। कार्यक्रम की एंकरिंग श्रीमती मधु जी (लखनऊ) व श्रीमती ऋचा जी (दिल्ली) द्वारा अत्यंत मोहक अंदाज में की गई। डाँस प्रतियोगिता के सभी अवार्ड (विजेताओं व सभी प्रतिभागियों के लिए) श्री प्रकाश नारायण जी-श्रीमती कल्पना जी (लखनऊ) द्वारा प्रायोजित किये गये। नृत्य प्रतियोगिता के परिणाम का विवरण निम्नलिखित हैः-

- **Group (A): Age 5 to 12 years-Dance with any prop-**

First-A9 : Anidhya (Seoni); Second - A5 : Gauranshi (Noida); Third - A14 : Parishi (Lucknow)

- **Group (B): Age 13 to 19 years-Dance & Hindu Mythological Character**

First-B1: Shalika (Lucknow); Second-B9 : Aruni (Agra); Third-B11: Ishika (Haridwar)

- **Group (C): Age 20 to 40 years-Dance Bollywood film songs of 60's and 70's**

First-C22 : Dakshita (Delhi); Second-C20 : Gaurangi (Jaipur); Third-C9 : Akriti (Allahabad)

- **Group (D): Age 40+ Rajasthani Dance**

First-D1 : Jyoti (Gaziabad); Second-D2 : Dr. Ankshree (Jaipur)

- **Group (E): Folk Dance 5 to 16 years participant dance with Senior member 17 to 99 years with direct family**

First-E2 : Priti & Kanika (Jaipur)

- **Group (F): Dance of Radha-Krishna song, 17 years above participant dance with senior member 18 to 99 year with direct family**

First-F1 : Rashi & Riya (Gaziabad)

दिनांक 23 दिसंबर, 2024 को सभा की साधारण बैठक का तृतीय सत्र प्रातः 11 बजे से प्रारम्भ हुआ। सर्वप्रथम ईश वंदना की गई, तदोपरांत मंच आपूर्ति हुई।

चुनाव अधिकारी श्री एल.पी. जी द्वारा चुनाव परिणाम की घोषणा की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री अनिल भार्गव (रेवाड़ी) द्वारा शपथ ग्रहण की गयी। सभी विजयी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई दी गई व नवनिर्वाचित टीम के 'अध्यक्ष' श्री अनिल जी (रेवाड़ी) व पाँच 'उपाध्यक्ष' क्रमशः श्री मोहित जी (दिल्ली), श्री अजय जी (जयपुर), श्री रमेश चन्द्र जी (अलवर), श्री विवेक जी (आगरा) एवं श्री गिरीश जी (लखनऊ); 'प्रधान सचिव' श्री संजय जी (जयपुर) तथा 'कोषाध्यक्ष' श्री विजय जी (आगरा) को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात् केक काटा गया एवं ढोल पर सबने खूब डाँस किया। लखनऊ से 4 विजयी कार्यकारिणी सदस्य श्री जितेंद्र जी, श्री कपिल जी, श्री अमित जी व श्रीमती तुलिका जी रहे।

अंत में लखनऊ भार्गव सभा की सचिव कु. चित्रा जी द्वारा अधिवेशन को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने हेतु सहयोग करने व अपना अनमोल समय प्रदान करने हेतु अखिल भारतीय भार्गव सभा के 'प्रधान' श्री नरेश जी, 'प्रधान सचिव' श्री हीरेंद्र नाथ जी, 'कोषाध्यक्ष' श्री सुनील जी, 'अधिवेशन समिति के

प्रधान' श्री अनिल RFC (जयपुर), 'सचिव' श्री संजीव जी (जयपुर) जी, तरुण जी, सभी सालाहकारों, स्थानीय संयोजकों, सह संयोजकों, वेंडर्स इत्यादि को सम्मान सहित धन्यवाद दिया व आभार प्रकट किया। तत्पश्चात् अखिल भारतीय भार्गव सभा के 'प्रधान सचिव' श्री हीरेन्द्र नाथ जी द्वारा सबको धन्यवाद दिया गया एवं अधिवेशन समारोह का समापन किया गया।

त्रुटिवश यदि कोई नाम छूट गया हो तो मैं क्षमा प्रार्थी हूँ। धन्यवाद!

(अधिवेशन की सचित्र झलकियाँ पृष्ठ 21-24 पर प्रकाशित की जा रही हैं।)

— कु. चित्रा भार्गव (सचिव, लखनऊ भार्गव सभा), मो.: 9415007853

पता: 402, साई धाम अपार्टमेंट, निशातगंज, लखनऊ



स्व. श्री कृष्ण भार्गव
(17.02.1934 - 29.12.1994)

स्व. श्री कृष्ण भार्गव

(संस्थापक अध्यक्ष, अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ)

स्मृति निबंध प्रतियोगिता 2024 (द्वितीय वर्ष)

विषय : मोबाइल- जीवन के लिए उपयोगी अथवा अनुपयोगी।

निबंध प्रतियोगिता का परिणाम

दिनांक-29.12.2024

आयु वर्ग	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
1. 18 वर्ष तक	ओजस भार्गव, आगरा	सलोनी भार्गव, जयपुर	अनुवा भार्गव, अजमेर
2. 19 वर्ष से 50 वर्ष तक	पायल भार्गव, लखनऊ	श्रुति भार्गव, मथुरा	श्रेया भार्गव, आगरा
3. 51 वर्ष से अधिक	सविता भार्गव, अलवर	प्रीति भार्गव, जयपुर	संगीता भार्गव, आगरा

आप सभी को सर्टिफिकेट एवं पुरस्कार राशि आपके दिए गये पते पर प्रेषित कर दी जायेगी।
प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये आप सभी को धन्यवाद एवं बधाई।

संयोजिका-
श्रीमती निशा भार्गव

बी-8, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कॉलोनी, तानसेन रोड, ग्यालियर-474002

मोबाइल : 94257-25155, 81200-25155

साँस्कृतिक समिति

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

साँस्कृतिक समिति की लखनऊ में आयोजित 133वें अधिवेशन की रिपोर्ट

लखनऊ में आयोजित 133वें अखिल भारतीय भार्गव सभा अधिवेशन के अंतर्गत, अखिल भारतीय भार्गव सभा की साँस्कृतिक समिति ने 22 दिसंबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में एक भव्य नृत्य प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। इस वर्ष प्रतियोगिता में 72 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जो समिति के लिए एक बड़ी चुनौती थीं।

इस चुनौती को पूरा करना इस बार हमारा संकल्प था। सभी समितियों के सदस्यों ने समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। इसके अलावा लखनऊ भार्गव सभा के अध्यक्ष श्री विवेक जी, श्री राकेश जी, दिल्ली से श्रीमती रश्मि जी और गाजियाबाद से श्रीमती मनीषा जी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अमूल्य योगदान दिया।

साँस्कृतिक समिति लखनऊ की श्रीमती रचना जी, श्रीमती स्वाति जी, श्रीमती वत्सला जी, श्रीमती अंकिता जी, श्रीमती साक्षी जी, श्रीमती भानु जी, श्रीमती नेहा जी, श्रीमती पूजा जी, श्रीमती गीता जी व श्री समीर जी और श्री वीलू जी का भी हार्दिक आभार प्रकट करती है, जिन्होंने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ साँस्कृतिक समिति के कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हमारे माननीय निर्णायक मंडल ने प्रत्येक नृत्य प्रस्तुति का पाँच घंटे तक बड़ी बारीकी से मूल्यांकन किया। प्रतिभागियों की अद्भुत प्रतिभा ने इस प्रतियोगिता को और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया। निर्णायक गण के उत्कृष्ट निर्णयों को कार्यक्रम में उपस्थित भार्गव समाज के सभी सदस्यों ने अत्यधिक सराहा।

हमारे निर्णायक मंडल नृत्य कला के विशेषज्ञ, विनम्र और प्रेरणादायक व्यक्तित्व के धनी थे। उनके योगदान ने इस प्रतियोगिता को अविस्मरणीय बना दिया।

साँस्कृतिक समिति निर्णायक मंडल का तहे दिल से आभार व्यक्त करती है।

लखनऊ अधिवेशन में साँस्कृतिक प्रतियोगिता में पुरस्कार राशि अ.भा.भा.स. के पूर्व अध्यक्ष व लखनऊ अधिवेशन के मुख्य स्वागताध्यक्ष श्री प्रकाश नारायण जी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना जी द्वारा प्रायोजित किया गया:-

- प्रथम पुरस्कार:- 5100/- रुपये; ● द्वितीय पुरस्कार:- 3100/- रुपये; ● तृतीय पुरस्कार:- 2100/- रुपये;
- प्रोत्साहन पुरस्कार:- 1100/- रुपये।

समिति की ओर से युगल दंपति का हृदय से आभार व धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

मंच पर पुरस्कार प्रदान करने के लिए उपस्थित थे - अखिल भारतीय भार्गव सभा के (प्रधान सचिव) - श्री हीरेन्द्र नाथ जी; (पूर्व अध्यक्ष अ.भा.भा.स. व मुख्य स्वागताध्यक्ष 133वें अधिवेशन, लखनऊ) श्री प्रकाश नारायण जी; श्री सुरेश जी (पूर्व अध्यक्ष अ.भा.भा.स.); श्री सुरेन्द्र नाथ जी (पूर्व अध्यक्ष अ.भा.भा.स.); (उपाध्यक्ष, अ.भा.भा.स.) - श्री गिरीश जी; (समिति के सलाहकार) - श्री विकास जी (दुर्बई) और (समिति के संयोजक) - श्री धीरज जी; श्री प्रमोद जी (सचिव, अ.भा.भा. सभा)।

अंत में साँस्कृतिक समिति विशेष रूप से धन्यवाद करती है श्रीमती मधु भार्गव और श्रीमती ऋचा भार्गव का, जिन्होंने मंच का संचालन अत्यंत कुशलता और ऊर्जा के साथ किया। उनके प्रयासों ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली और जीवंत बना दिया।

साँस्कृतिक समिति के प्रत्येक सदस्यों का हृदय से धन्यवाद है, जिनके समर्पित प्रयासों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

साँस्कृतिक प्रतियोगिता के परिणाम:-

- **Group (A): Age 5 to 12 years-Dance with any prop-**
First-A9 : Anidhya (Seoni); Second - A5 : Gauranshi (Noida); Third - A14 : Parishi (Lucknow)
- **Group (B): Age 13 to 19 years-Dance & Hindu Mythological Character**
First-B1: Shalika (Lucknow); Second-B9 : Aruni (Agra); Third-B11: Ishika (Haridwar)
- **Group (C): Age 20 to 40 years-Dance Bollywood film songs of 60's and 70's**
First-C22 : Dakshita (Delhi); Second-C20 : Gaurangi (Jaipur); Third-C9 : Akriti (Allahabad)
- **Group (D): Age 40+ Rajasthani Dance**
First-D1 : Jyoti (Gaziabad); Second-D2 : Dr. Ankshree (Jaipur)
- **Group (E): Folk Dance 5 to 16 years participant dance with Senior member 17 to 99 years with direct family-**
First-E2 : Priti & Kanika (Jaipur)
- **Group (F): Dance of Radha-Krishna song, 17 years above participant dance with senior member 18 to 99 year with direct family-**
First-F1 : Rashi & Riya (Gaziabad)

विशेष:- साँस्कृतिक समिति के सभी सदस्यों एवं लखनऊ भार्गव सभा के समर्पित कार्यकर्ताओं के सामूहिक निर्णय और सहमति के आधार पर यह निर्णय लिया गया है कि (ग्रुप-D) के तृतीय विजेता को उनके अनुचित और अनुशासनहीन व्यवहार के अंतर्गत प्रतियोगी सदस्यों द्वारा पुरस्कृत किये गये स्मृति चिह्न एवं सर्टिफिकेट को मंच पर उपस्थित निर्णायक मंडल के ऊपर फेंका गया, इस कारण प्रतियोगिता से उन्हें अयोग्य घोषित किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप उन्हें किसी भी प्रकार का पुरस्कार, सर्टिफिकेट या पुरस्कार राशि प्रदान नहीं की जाएगी।

यह निर्णय प्रतियोगिता की गरिमा, अनुशासन व निर्णायक मंडल के निर्णय का मान बनाये रखने के उद्देश्य से लिया गया है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

साँस्कृतिक समिति के निर्णय को अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी द्वारा सभा के व्यापक हित में स्वीकृत और अनुमोदित निर्णय मानना उचित एवं लाभकारी होगा। जिससे यह प्रक्रिया न केवल समाज के उद्देश्यों की पूर्ति सुनिश्चित करेगी, बल्कि सामूहिक हित, पारदर्शिता और संगठन की एकजुटता को भी सुदृढ़ करेगी! धन्यवाद।

(अधिवेशन के अवसर पर हुई सांस्कृतिक प्रतियोगिता की सचित्र झलकियाँ
पृष्ठ 23-24 पर प्रकाशित की जा रही हैं।)

डॉ. नलिनी भार्गव, अध्यक्षा
(साँस्कृतिक समिति)

पंकज भार्गव, सचिव
(साँस्कृतिक समिति)

अधिकाल भारतीय आर्गव युवा संघ (रजि.)

सत्र 2025–27 के लिये कार्यकारिणी के द्विवार्षिक निर्वाचन हेतु नामांकन-पत्र

(पद का नाम) पद के निर्वाचन हेतु मैं
अपनी सहमति प्रदान करता हूँ।

प्रत्याशी के हस्ताक्षर

दिनांक पूरा नाम

पता

समय आजीवन सदस्यता संख्या

(पद का नाम) पद के लिये मैं श्री.....

आजीवन सदस्यता संख्या के नाम का प्रस्ताव करता हूँ।

प्रस्तावक के हस्ताक्षर

दिनांक पूरा नाम

पता

समय आजीवन सदस्यता संख्या

(पद का नाम) पद के लिये मैं श्री.....

आजीवन सदस्यता संख्या के नाम का समर्थन करता हूँ।

समर्थक के हस्ताक्षर

दिनांक पूरा नाम

पता

समय आजीवन सदस्यता संख्या

नामांकन शुल्क के निर्धारित 30 रुपये एवं प्रत्याशी हेतु जमानत राशि के रुपये संलग्न हैं।

कृपया प्राप्त करें।

सत्यापन (यदि आवश्यक हो)

चुनाव कार्यालय के प्रयोग हेतु

जाति के गौरव

भोपाल: विश्व ब्राह्मण संघ, इन्दौर द्वारा प्रदेश स्तरीय 'अटल गौरव सम्मान' से पंडित राजकिशोर भार्गव, को सम्मानित

विश्व ब्राह्मण समाज संघ, इन्दौर (म.प्र.) के द्वारा विगत 15 वर्षों से 'भारत रत्न' पूर्व प्रधनमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी की पावन स्मृति में प्रदेश स्तरीय 'अटल गौरव सम्मान' समाज की प्रतिभाशाली विभूतियों को उनके विशिष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया जाता है।

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष दिनांक 18-01-2025 (शनिवार) को जाल सभा गृह, साऊथ तुकोगंज, इन्दौर में एक भव्य समान समारोह का आयोजन किया गया। 'अटल गौरव सम्मान' के लिए प्राप्त लगभग 800 प्रविष्ठियों में से संस्था के द्वारा 108 विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान करने वाली विभूतियों का समिति ने चयन किया था।

108 चयन की गई विभूतियों के साथ पण्डित राजकिशोर भार्गव (भोपाल) का प्रशस्ति-पत्र आदि प्रदान करते हुए सम्मान किया गया।

यह सम्मान प्रत्र विश्व ब्राह्मण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महन्त और प्रतिष्ठा महानुभावों के द्वारा प्रदान किया गया।

प्रेषक: कपिल भार्गव, अलवर



संयम - जीवन का आधार

ज्ञान और सफलता प्राप्त करने के लिए यदि लगन और दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो बढ़ती उम्र भी कभी बाधा नहीं होती। यह कर दिखाया है **श्रीमती अरुणा भार्गव** ने, जो अपने पति इंजीनियर श्री शैलेंद्र भार्गव के रिटायरमेंट के पश्चात स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से Wellness coach के रूप में कार्य करते हुए एक बड़े मिशन पर कार्यरत हैं। आपकी संस्था डायबिटीज, ब्लड प्रेशर एवं शरीर के वजन को संतुलित करने के लिए प्रत्यक्ष रूप से एवं ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं मार्ग निर्देशन प्रदान कर रहीं हैं। उनका मानना है कि काया को निरोगी बनाने एवं स्वस्थ रहने के लिए निरंतर प्रयास, संयमित दिनचर्या के साथ-साथ रहन-सहन में कुछ सावधानियों तथा नियमों का पालन भी आवश्यक है। विगत 5-6 वर्षों में उन्होंने अनेक लोगों को मार्ग निर्देशन देते हुए प्रशिक्षित किया है तथा आशातीत सफलता अर्जित करने में मदद की है तथा वे लाभान्वित हुए हैं। संपर्क: श्रीमती अरुणा भार्गव, भोपाल, (मो.: 9522600267)।



प्रेषक: प्रदीप भार्गव, इन्दौर, मो.: 7869081484

लखनऊ में सम्पन्न सभा के 133वें वार्षिक अधिवेशन 2024 की कुछ झलकियाँ





भार्गव पत्रिका]

(22)

[जनवरी, 2025



दिनांक 22-12-2024 को आयोजित सांस्कृतिक प्रतियोगिता के विजेता प्रतियोगी



**First- group (A)
Anidhya Seoni**



**First - group (B)
Shalika Lucknow**



**First - group (C)
Dakshita Delhi**



First - Group (D)
Jyoti Gaziabad



First - group (E)
Priti & Kanika Jaipur



First - group (F)
Rashi & Riya Gaziabad



Second - group (A)
Gauranshi Noida



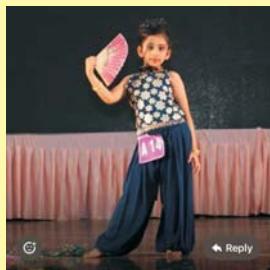
Second - group (B)
Aruni Agra



Second - Group (C)
Gaurangi Jaipur



Second - group (D)
Dr. Ankshree - Jaipur



Third - group (A)
Parishi Lucknow



Third - group (B)
Ishika Haridwar



Third - group (C)
Akriti Allahabad

विशेष वैवाहिक प्रत्याशी विवरण



Ms. Sanjana Bhargava

Date of Birth	05.10.1999
Time & Place	03:15 PM, Gwalior
Kuldevi	Nagan Phushan
Gotra	Bandlash
Height	5'4"
Complexion	Fair
Education	Schooling from Carmel Convent Sr. Sec. School, Gwalior
BBA	Indian Institute of Travel Tourism and Management (IITTM, Gwalior.)
MBA	Travel and Tourism from Indian Institute of Travel Tourism and Management, (IITTM, Gwalior.)
Profession	Senior Executive at Make My Trip, Gurgaon.
Hobbies	Travelling, Photography, Reading and Swimming.

Family Details

Dada - Dadi	Late Shri Krishna Bhargava - Late Mrs. Saroj Bhargava
Father	Sanjay Bhargava, Retired from MITS, Gwalior Presently working as HR Head / Administrative Officer in Cancer Hospital and Research Institute, Gwalior. Renowned social worker. in Gwalior.
Mother	Smt. Nisha Bhargava House Maker.
Brother	Mr. Nikunj Bhargava, Own Business.
Bhabhi	Ms. Tanvi Bhargava, HR at EY, Gurgaon
Bua - Fufaji	Smt. Sujata Bhargava W/o Shri Rakesh Bhargava retired as Executive Director from Bokaro Steel Plant, Bokaro
Nana - Nani	Late Dr Bhagirath Bhargava and Smt. Kamala Bhargava, Alwar.
Mama - Mami	Mr Rajeev Bhargava & Smt. Jyoti Bhargava, Alwar Mr Sanjeev Bhargava & Smt. Sunita Bhargava Alwar.
Contact	Sanjay Bhargava B-8, Dr. Rajendra Prasad Colony, Tansen Road, Gwalior-2 Mobile : 94257-25155, 81200-25155 Email : sanjaybhargava88@gmail.com

With Best Compliments

Anil Bhargava : 9810024116

Rajat Bhargava : 9873434821

Deals in:

Paper

Paper Board

Kraft Paper

Waste Paper

Polyester Film

ITC Make Paper Board

Sakata make offset Inks

**Water Based Barrier Coating for Paper, Paper Board FDA
approved Management Consultancy**

PRINCIPALS:

- **Sidharth Papers Pvt. Ltd.**
- **Siddheshwari Paper Udyog Pvt. Ltd.**
- **Polyplex Corporation Ltd.**
- **Sakata Inx(India) Pvt. Ltd.**
- **Anand Duplex Ltd.**
- **Also deal in ITC/ JK Paper/ Bilt**

ABBA CONSULTANTS PVT. LTD.

107, Sidhartha Chambers, 55-A,

KaluSarai, HauzKhas, New Delhi-110016

Email Id:- anilbhargava@gmail.com, rajat14@gmail.com



PAPER GREENS

S-5, Opposite DharamKanta,

RIICO Industrial Area, Mansarovar, Jaipur- 302020, Rajasthan

Looking for a suitable match for Miss HEERAL BHARGAVA

Date of Birth	: 2 nd December, 1997	Time & Place	: 03.44 a.m., Jaipur
Gotra	: Bandlas	Kuldevi	: Achala
Age	: 27 years	Height	: 5'3"
Location	: Originally from Jaipur; family is based out of Ahmedabad.		
Education	: PGDM-Business Management from XLRI (Batch of 2023).		
Occupation	: Working with Accenture Strategy (Based at Gurugram, Haryana)		
Annual Income	: INR 30,00,000.		



Family Details:

Family Type	: Nuclear.
Family Background	: Upper-middle-class family with liberal values.
Father	: Dr. Prateek Bhargava, Associate Vice President - Intas Pharmaceuticals, Ahmedabad.
Mother	: Mrs. Meenakshi Bhargava, Home-Maker.
Younger Sister	: Ms. Riddhi Bhargava, Student of BS Computer Science 3 rd Year.
Grandparents	: Dr. P.P. Bhargava (Retd. Prof. Univ of Rajasthan, Jaipur) & Late Dr. B.R. Bhargava, Jaipur.
Maternal Grandparents	: Late Swadesh K. Bhargava & Mrs. Madhu Bhargava, Kanpur.
Phuphaji-Bua	: Dr. Atul Bhargava & Mrs. Preeti Bhargava, Jaipur.
Mama-Mami	: Mr. Swatantra Bhargava & Mrs. Shivani Bhargava, Kanpur. : Mr. Sandeep Bhargava & Mrs. Nupur Bhargava, Jaipur.

Contact Details: Dr. Prateek Bhargava

Mobile: +91-9375051649, +91-9974051649 • Email : prat141@gmail.com

KSS Shipping Services Pvt. Ltd., Mumbai द्वारा

CSR के अंतर्गत रुपये 16,94,402.51 का आर्थिक सहयोग

श्री संदीप भार्गव, फाउंडर चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर-KSS Shipping Services Pvt. Ltd., Mumbai (सुपुत्र श्री किशन चंद भार्गव-स्व. श्रीमती राधा भार्गव, लखनऊ) द्वारा सभा को CSR Funds के अंतर्गत 16,94,402.51 की राशि प्रदान की गयी है और सभा ने उस फण्ड से इस वर्ष 2024-25 में (i) समाज कल्याण समिति के अंतर्गत आर्थिक सहायता पाने वाले 142 परिवारों को चतुर्थ त्रैमासिक (जनवरी 2025 से मार्च 2025) सहायता राशि, मय होली पर्व पर उपहार राशि 1,000 रुपये प्रति परिवार, कुल राशि 15,99,300 रुपये तथा (ii) शिक्षा छात्रवृत्ति के अंतर्गत छात्रवृत्ति सहायता पा रहे 40 विद्यार्थी, जिन्होंने अपने गत वर्ष के परीक्षा परिणाम में 70%, 80% एवं 90% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें 1 माह से 3 माह तक की अतिरिक्त छात्रवृत्ति कुल 86,000 रुपये तथा (iii) कक्षा 1 से कक्षा 9 एवं 11 तक की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर 1,000 रुपये प्रत्येक छात्र तथा कक्षा 10 एवं 12 के विद्यार्थी को 2,000 रुपये अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि कुल 14,000 रुपये। कुल 16,99,300 रुपये की सहायता राशि सभा द्वारा दिनांक 12-1-2025 को NEFT द्वारा सहायता पाने वाले परिवारों एवं विद्यार्थियों को भेजी जा चुकी है।



हम इस पुनीत कार्य में महत्वपूर्ण आर्थिक योगदान के लिए अखिल भारतीय भार्गव सभा एवं समाज की ओर से श्री संदीप भार्गव, मुम्बई एवं उनके परिवार तथा उद्योग का हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

— हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव, अ.भा. भार्गव सभा, मो.: 9811009294

With Best Complement From

Sandeep Kumar Bhargava

9460724170

Neeru Bhargava

7976589484

Ekta - Tushar Bhargava

Nikita - Anugrah Bhargava

Aadhya Bhargava

**Address: 10, Kamal Vihar, Mangyawas Road
Opp Rajat Path, Mansarovar, Jaipur-302020**

With Best Complement From:

Anil Bhargava (Gopalpura)

M. 9001791703

Shobha Bhargava

M. 9829136764

Ankesh Bhargava

M. 9983599959

Address: 93, Krishna Nagar, Gopalpura Road, Jaipur- 302015



OUR LEADING BRANDS

SCOTT & STEVEN	BLACK BUCK	PAN AMERICA	MILAN
JOCKEY	PARK EVE	HIGH COMMAND	KROCKERS FLIRT HOMME

श्री गोपाल प्रसाद एवं श्रीमती विद्या देवी भार्गव स्मृति निधि, जोधपुर (2021)
में अतिरिक्त राशि 1.00 लाख रुपये (कुल राशि 3.50 लाख रुपये)

(समाज कल्याण कार्यों हेतु श्रीमती संतोष जी द्वारा वर्ष 2021 में अपने भ्राता स्व. श्री गोपाल प्रसाद जी की स्मृति में स्थापित निधि में, इस वर्ष श्री गोपाल प्रसाद जी के 100वें जन्म दिवस (07-01-2025) के अवसर पर श्रीमती संतोष जी, मुम्बई से 1.00 लाख रुपये की अतिरिक्त प्राप्त प्राप्त हुई है। अब निधि की कुल राशि बढ़कर 3.50 लाख रुपये हो गयी है।)

श्री गोपाल प्रसाद जी का जन्म मथुरा निवासी श्री हनुमान प्रसाद जी भार्गव एवं श्रीमती शिव देवी भार्गव के यहाँ हुआ। 12वीं तक की शिक्षा आपने मथुरा में प्राप्त की। आगे की शिक्षा के लिये आप आगरा चले गये। आगरा यूनिवर्सिटी से आपने इंग्लिश और मनोविज्ञान में एम.ए. की डिग्री हासिल की। तत्पश्चात् आप जोधपुर गये और अध्यापन के कार्य में संलग्न हो गये। इसी दौरान आपने राजस्थान यूनिवर्सिटी से बी.एड. की डिग्री हासिल की।

आपका विवाह लखनऊ निवासी **श्रीमती विद्या देवी जी** के साथ लखनऊ में सम्पन्न हुआ। तब से जोधपुर निवास स्थान बन गया। श्री गोपाल प्रसाद जी और श्रीमती विद्या देवी जी दोनों ही सौम्य, मिलनसार एवं सेवाभावी थे। आप दोनों ने सदा तन-मन-धन से सभी की मदद के लिए तप्तर रहते थे। समाज में आपका बहुत आदर-सम्मान एवं प्रतिष्ठा थी।

सदा जीवन उच्च विचार ही जीवन का ध्येय था।

आपको 5 पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, सभी जोधपुर में हैं।

- पुत्र श्री देवेश-पत्नी मीना; पुत्री अनुभा-दामाद हर्ष, पुत्र प्रखर हैदराबाद है।
- पुत्र श्री राकेश-पत्नी सुधा, पुत्र सुकेश, मोहित, गरिमा इंदौर रहते हैं। श्री राकेश जी की पुत्री स्वीटी-दामाद अनुपम, पुत्र हर्ष, पुत्री इशिता, पूना में रहते हैं।
- पुत्र श्री डॉ. गजेश-पत्नी रश्मि जोधपुर हैं। आपने स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। आँखों के डॉक्टर हैं। इनके पुत्र गौरव, श्वेता, दिव्य बम्बई। पुत्र गौतम रिद्धि, आयांश एवं आरूष लन्दन रहते हैं।
- पुत्र श्री मुकेश-पत्नी निशा, श्वेता व रिचा लखनऊ।
- पुत्र श्री राजेश-पत्नी निधि, पुत्री रूही जोधपुर।

आप हमेशा हम सबके प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं।

आपकी मधुर स्मृतियाँ, प्यार एवं आशीर्वाद सदैव हमारे साथ हैं।

सादर-नमन करते हुए —

श्री देवेश, मीना, अनुभा, हर्ष, प्रखर

श्री राकेश, सुधा, सुकेश, मोहित, गरिमा

श्रीमती दीपिका, अनुपम, हर्ष, इशिता

डॉ. गजेश, रश्मि, गौरव, श्वेता, दिव्य, गौतम, रिद्धि, आयांश, आरूष

श्री मुकेश, निशा, श्वेता, रिचा • श्री राजेश, निधि, रूही

— बहन: सन्तोष भार्गव, 54, Lochana, R.B. Mehta Marg, Ghatkopar, East Mumbai - 400077
 भार्गव पत्रिका]



श्री गोपाल प्रसाद जी	श्रीमती विद्या देवी जी
(7.1.1926 – 7.10.2002)	(7.9.1929 – 1.12.2016)



*Our rapidly
growing network
shows our
good will.*



Naresh Bhargava (Bhargava Lodha)

9414071694 / 9314949400

Bhargava Lodha Stock Brokers Pvt. Ltd.

(Member : National Stock Exchange of India Ltd. & NSDL)

B. Lodha Securities Ltd.

(Member : The Stock Exchange, Mumbai)

Bhargava Lodha Buildcon Pvt. Ltd.

(Real Estate Developers)

Arihant & Company

(Member : NCDEX, NMCE & NCDEX SPOT)

Sidh & Company

(Member : Multi Commodity Exchange of India Ltd.)

B. Lodha & Company

(Member : Rajasthan Builders & Promoters Association)

REGD. OFFICE

BL House, 578 – Mahaveer Nagar, Tonk Road, Jaipur – 18

Tel : 0141 – 2550711 / 2550115

CORP. OFFICE

6B, Rajabahadur Compound, 32, Ambalal Doshi Marg, Fort, Mumbai – 23

Tel : 022 – 22671585 / 22671586 Fax : 022 – 22671587

**These two hand printed photos were published in the memory of
Shri Lal Bahadur Shastri about 55 years back after his death on 11th Jan, 1966.**

**These were handed over on 11th Jan, 2025 to Smt. & Shri Anil Shastri on the death
anniversary of Sh. L.B. Shastriji.**

**These photos are presented to Shri Lal Bahadur Shastri Memorial Trust,
1, Motilal Nehru Place. New Delhi - 110011.**



Presented by:
Narendra Kumar Bhargava
7/24, Satsang Bhawan, Darya Ganj,
New Delhi - 110002

Mob : 9313021833





WITH BEST COMPLIMENTS FROM
DEEVA LOGISTICS PVT. LTD.
INDORE-PITHAMPUR-BHOPAL

COMPLETE LOGISTICS SOLUTION PROVIDER

**DIRECTOR: ATUL BHARGAVA
CEO: AMAN BHARGAVA**

ADDRESS:

- WHB-3, New Industrial Area, AKVN,
Bagroda, Bhopal-462026
- 309, Block B, Shalimar Corporate
Centre South Tukoganj, Indore. 452001
- Plot No. - 05, Survey No-26-13, Village
Bajrangpura, Thesil-Depalpur, Indore.

+91-9301519661

ADMIN@DEEVALOGISTICS.COM

IN LOVING MEMORY OF

Smt. Padma Bhargava

W/O Late Dr. Krishna Mohan Bhargava
D/O Late Shri. T. N. Bhargava and Late Smt. Kamala Bhargava



29.10.1940 - 5.12.2024

A kind heart and a gentle soul who cared and wished well for everyone. A woman who sacrificed her professional ambition to offer unconditional love and care for family, relatives and friends with no expectations. She believed in the institution of family and respected relationships. She was a wife who stood by her husband through the many ups and downs of life's journey. A mother who devoted her life to raising her children and taught them the meaning and importance of family, respect and purpose. A doting grandmother who adored the grandkids so much that just mentioning their names would put a smile on her face. Her loving, caring and helpful nature was a gift to all. Her blessings, love and affection will always inspire and guide us. She will be dearly missed. She will live with us forever in our hearts and memories.

Chetan & Shruti (son & daughter-in-law) +13306979771
Shivani & Anit (daughter & son-in-law) +91 97179 31989
Gagan & Dipti (son & daughter-in-law) +91 96200 37111
Adit, Tej, Ayansh, Arhan, Ahana (grandchildren)

2 GA 12, Pratap Nagar, Manumarg, Alwar, Rajasthan 301001

-: With Best Compliments From :-

- ❖ Dinesh Bhargava, Advocate
- ❖ Smt. Priti Bhargava
- ❖ Saurabh Bhargava, Advocate



SOCIAL STATUS —

- State Treasurer (Rajasthan), Bhartiya Janta Party Kisan Morcha.
- President, Alwar District Boxing Association.
- President, Aravali Artist Academy, Alwar.
- President, Deed Writer & Stamp Venders Joint Samiti, Alwar.
- Pradhan, Samaj Kalyan Samiti (A.B.B.S.) 2009-2021.
- Vice President, Akhil Bhartiya Bhargava Sabha 2013-2017, 2019-2025.
- Ex-Observer, Central Jail, Alwar by Govt. of Rajasthan.
- Ex-President, Alwar Bhargava Sabha & Dehra Utsav Samiti, Alwar.
- Ex-President, Sangeet Sankalp, Alwar.
- Ex-Convenor, Bhargava Ashram, Alwar.
- Revenue Advisor, Government of Rajasthan.
- Patron, Vriddha Seva Ashram, Alwar.
- Lifetime Member of Bhargava Dharamshala, Chakleshwar, Goverdhan Mathura.
- Member, Art & Cultural Uththan Samiti, Rajasthan.
- Member, Jai Krishna Club, Alwar.
- Member, Kaumi Ekta Sahitya Sansthan, Alwar.
- Member, Society for Protection of Union Child.
- Member, Jai Complex Vyapar Samiti, Alwar.

Residence :-

Matasya Fort & Resorts Pvt. Ltd.

Director

Dinesh Bhargava

Priti Bhargava

"SHRADDAH" Plot No. 592,
Vivek Vihar, Scheme No. 10,
Near Jain Mandir, Alwar-301001 (Raj.)
Mob.: 09414016610
e-mail: d_bhargavalw@yahoo.co.in



With the divine blessings of our parents
Late Sh. P. N. Bhargava & Smt. Rajrani Bhargava

**WE PROUDLY ANNOUNCE
THE LAUNCH OF OUR SCO PROJECT.**



LOVE FOR
Shopping NEVER ENDS


Everest Square

A UNIQUE APPROACH IN SHOPPING

EVEREST BUILDERS & DEVELOPERS

Office Address: Shop No.30, inside Everest Cinema, Jaipur road, Near Bharwas Gate, Rewari, 123401

Site Address: Sector 26, Near Eden Garden Society, Rewari, 123401

License no 105 of 2022

Anil Bhargava

Sunil Bhargava, Vijay Bhargava

Mobile No. : +91 9812061008, 9812037211, 9315409415

For Enquiry : +91 8397861008 | 8950149054

‘जय बम्बलेश्वरी कुलदेवी माँ’

भार्गव चश्मे वाले प्राइवेट लिमिटेड

(Taking care of your Vision since 45 years)

Bhargava
Chashmewale

Deshpensing your vision needs since 1982

Outlets at:-

1. Patrakar Puram Chauraha,
Aarohi Plaza, Lucknow
2. Kotwali Road, Opp. Head
Post Office, Barabanki
3. Arjun Ganj, Lucknow
4. Gomti Nagar Extension,
Lucknow
5. Kathauta Chauraha,
Chinhat, Lucknow



Bhargava Chashme Wale

UGF -28 Aarohi Plaza, Patrakarpuram, Gomti Nagar, Lucknow-226010

Residence: Villa No. L-5, Shalimar Paradise, Faizabad Road, Barabanki-225003

Mob.: 9532967879, 7459096621, 8896408683 • Email: bhargavaaditya5144@gmail.com

कुलदेवी दर्शन यात्रा

मंगौड़ी कुलदेवी माता (मंगलौर)



मैं श्रीमती ममता भार्गव अपने पति श्री सुनील भार्गव CA (जयपुर) के साथ 15-12-2024 को अनेक भार्गव परिवारों की कुलदेवी मंगौड़ी कुलदेवी माता (मंगलौर) के दर्शन करने गई। इस मंदिर का नाम मंगला देवी मंदिर है। शिक्षाविद् कपिल भाईंसाहब (अलवर) से जानकारी मिली कि यह मंगला देवी माता भार्गव परिवारों की मंगौड़ी कुलदेवी माता हैं, देश भर में इसके कुछ ही मंदिर हैं। श्रीमती ममता भार्गव, धर्मपत्नी श्री सुनील भार्गव CA (जयपुर), उनका आभार और धन्यवाद व्यक्त करते हैं।

प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर

सनमत कुलदेवी माता (प्रयागराज)

हमारी कुलदेवी सनमत माता है। शिक्षाविद् कपिल भाईं साहब (अलवर) से जानकारी प्राप्त हुई कि भार्गव समाज की सनमत कुलदेवी माता ललिता माता का रूप ही है। अतः मैं अर्पित भार्गव, अपनी माता श्रीमती सुदेश भार्गव के साथ 30-11-2024 को प्रयागराज में ललिता माता रानी के दर्शन करने गये। कपिल भाईं साहब को बहुत-बहुत धन्यवाद।

पता: अर्पित भार्गव - A 1/102 भृगु अपार्टमेंट, मानसरोवर, जयपुर, (मो.: 9024620490)। प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर



अंचल कुलदेवी माता (जौनपुर)



24-12-2024 को कुलदेवी माँ अंचला के दरबार में उपस्थित होकर माता के श्री चरणों में सादर वंदन करते हुए पूजन अर्चन किया। इस कुलदेवी दर्शन यात्रा में संजय-सरिता, पंकज-बबीता (जयपुर), श्री प्रभात जी-श्रीमती सविता जी (सिरोंज) से हमारे साथ उपस्थित रहे। इसी दौरान पुजारी श्री बंगाली बाबा से भेंट कर माता रानी की प्रतिमा पर पीतल का कवच धारण करने की चर्चा कर कार्य करने की जिम्मेदारी लेते हुए उन्हें कारीगर से संपर्क कर हमे अवगत कराने के लिए कहा गया। जैसा भी पुजारी जी का निर्देश प्राप्त होगा हम ये शुभ कार्य करने का प्रयास करेंगे।

जय अंचल कुलदेवी माता रानी।

अमित-पारूल भार्गव, ग्वालियर, (मो.: 9584786834)।

प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर

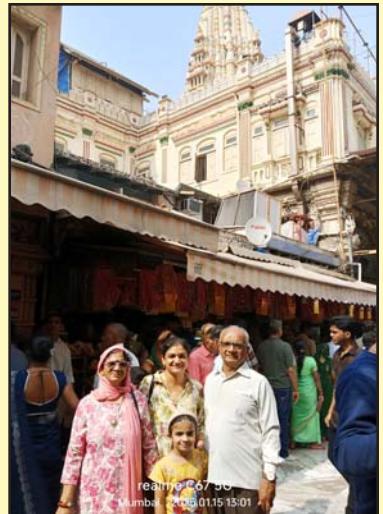
(37)

[जनवरी, 2025]

मुंबा देवी कुलदेवी माता (मुंबई)

मुंबा देवी माता मुंबई में एक बहुत प्राचीन और कुलदेवी माता का प्रसिद्ध मंदिर है। अनेक भार्गव परिवारों की कुलदेवी माहुल माता है। मुंबा देवी माता ही माहुल कुलदेवी माता का रूप है और मेरी जानकारी के अनुसार अनेक माहुल कुलदेवी माता भार्गव परिवारों ने मेरे कुलदेवी पर शोध के पश्चात माता रानी के दर्शन कुलदेवी के रूप में किये हैं। मुंबा देवी माता के नाम पर ही मुंबई का नामकरण हुआ है। ऐसी पौराणिक मान्यता है कि मुंबा देवी माता सामुद्रिक विपदाओं से मुंबई की रक्षा करती हैं।

आज 15-1-2025 को मुंबई प्रवास के समय परिवार सहित मुंबा देवी कुलदेवी माता यानी माहुल कुलदेवी माता के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैं शिक्षाविद् कपिल भार्गव अलवर, मेरी धर्मपत्नी श्रीमती सुधा भार्गव, मेरी सुपुत्री श्रीमती उत्तरा भार्गव धर्मपत्नी श्री नितिन भार्गव (नवी मुंबई) के साथ दर्शन किए। जय माहुल कुलदेवी माता।



प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर

नृत्यरत नटराज - महादेव : 'महाशिवरात्रि' 26-02-2025 (बुधवार) पर विशेष

भगवान शिव कल्याणकारी है। प्रकृति के प्रत्येक कण-कण में शिव समाहित है। हिन्दू त्रयी में, ब्रह्मा सृष्टि के रचयिता है, विष्णु पालन हार है और शिव संहरकर्ता है। शिव उद्धारक और पतितपावन है। नटराज शिव को भगवान विष्णु ने जीवन के विभिन्न रूपों की यात्रा को समाप्त करने के लिये अपने माथे से भगवान शिव को उत्पन्न किया। वे 'स्वयंभू' भी हैं। वे नृत्यकला में पारंगत हैं। शिव जी के नटराज स्वरूप से जुड़े अनेक प्रसंग हैं जैसे :-



श्रीमती वीणा, अलवर

1. डमरू की ताल पर: ब्रह्माण्ड में स्थित सारा जीवन, उनकी गति, कंपन तथा ब्रह्माण्ड से परे शून्य की निःशब्दता सभी कुछ शिवमय है। शिव का अलौकिक नृत्य ऊर्जा के कणों के विक्षिप्त धूर्णन को दर्शाता है। उनका डमरू ब्रह्माण्ड के संपादन को तालबद्ध करता है। उनकी ऊर्जा शक्ति उन पर देवी माँ के द्वारा सक्रिय होती है। देवी माँ मोहिनी शक्ति है जो समस्त मानव-अमानव प्राणियों को जन्म देती है।

2. शिव पशुपति नाथ है: जल-थल-नभ के स्वामी है। शिव-विवाह में भूत पिशाच, समस्त जानवर, कीड़े-मकोड़े, जीव-जन्तु, विक्षिप्त लोग भी उनके साथ बाराती थे। शिवपुराणानुसार नारद जी का कथन है - जो कि प्रश्नोत्तर रूप में पर्वतराज हिमालय से शिव की वंशावली के विषय में कहा था 'शिव 'स्वयंभू' है, इनका वंश ध्वनि है, सर्वप्रथम ध्वनि के रूप में प्रकट हुए है, वे योगी हैं और सारे अस्तित्व को अपना एक भाग बना लिया है।

3. विचित्र वेशभूषा है: “कर्पूर गौरम करुणावतारं संसार सारम् भुजगेन्द्र हारम्, सदा वसंत हृदायर्बिन्दे भवं भवानी सहितं नमामि।” प्रकृति ही जिनका आभूषण है। वे चन्द्रचूड़ हैं। वे सोमेश्वर शिवलिंग हैं। चन्द्रमा के घटने-बढ़ने की तरह ब्रह्माण्ड के उत्थान और पतन में लय के साथ एकाकार हैं। पशु-चर्म धारण करते हैं। गजासुर को मुक्ति प्रदान की थी। अतः हाथी का चर्म तन को ढकता है और सिंह का चर्म उनका आसन है। कान में कुंडल (पुरुषों का छल्ला) दाएँ कान में ततंक (स्त्रियों कि बाली) धारण कर उभयलिंग प्रकृति को प्रकट करते हैं। वे मुण्डों की माला और हाथ में भिक्षा पात्र धारण कर मानव जीवन की क्षीणता को दर्शाने हेतु उसी पात्र में जल ग्रहण करते हैं। त्रिशूल उनका अस्त्र है और नंदी बैल वाहन।

4. सृजन और संहार की लयः डमरू की नाद से ही संस्कृत व्याकरण का उद्भव हुआ है। रावण द्वारा बनाई गई रुद्रवीणा का वादन करते हैं। उनके गले में धारित घंटी आधुनिक भौतिक पदार्थ को निष्क्रिय और जड़ रूप में न देखकर निरंतर नृत्यरत और स्पंदनशील रूप में देखती है। नटराज ब्रह्माण्ड के नृत्य का साक्षात् रूप है। फोटोग्राफी की आधुनिक तकनीके शिव की नृत्यरत छवि से फूटते कणों की लीक को प्रक्षेपित करने में सफल हुई है। यह छवि जीवन-जन्म और मृत्यु की सृजन और संहार की एक लय में बंधा हुआ है।

5. शिव के विभिन्न रूपः महाकाल शिव के 11 रूद्र अवतार, शिव का नटराज रूप अर्द्धनारीश्वर है। 10 योगेश्वर रूप तथा 19 चमत्कारी रूप हैं। शिव की महिमा के 12 अवतार हैं। 11वाँ रूद्र अवतार हनुमान जी का है। शिवपुराण के अनुसार शिवजी 100 रूपों में अवतार लेकर अंधक, त्रिपुरासुर, जाले-घर, शंखचूड़, भीमासुर, बृकासुर, ताराकासुर आदि का वध किया।

6. शिव का सच्चा स्वरूपः समस्त देवी-देवताओं की पूजा निर्गुण व सगुण रूप में की जाती है। परंतु शिव पूजन, शिव प्रतीक, शिवलिंग कि ही की जाती है। शिव त्रिलोकेश और भव है, अतः शिव विश्व नाथ, विश्वेश्वर, विश्वमूर्ति है। उनके जटाजूट धारी, औधड़ रूप को लेकर हमें शंका नहीं करनी चाहिये। वे देवताओं के स्वामी हैं। कुबेर किंकर हैं। उनकी भ्रूभंग (भौहों का संचालन) की लीलामात्र से संसार की सृष्टि और संहार करने में सक्षम हैं।

7. शिव संदेशः जग जननी माँ पार्वती व शिव परिवार विरोधाभास में भी एकता का दृष्टान्त है। शिव-पार्वती दाम्पत्य जीवन के सर्वोच्च प्रतिमान हैं। वे श्रेष्ठ गृहस्थ-धर्म के आर्द्धरूप हैं। उनका जीवन युवाओं हेतु समसामयिक व प्रासांगिक है। शिव ने अपनी पत्नी पर्वती को मान-सम्मान दिया। पारिवारिक जीवन संयम-तप, ध्यान, त्याग से परिपूर्ण जीवन समाज में समायोजन व सामंजस्य का संदेश देता है। महाशिवरात्रि पर्व पर (उनके विवाह-संस्कार पर्व पर) पूजन, शिव-अराधना जब ही सार्थक होगी, तब हम उनके जीवन से प्रेम की सर्वोच्च परिभाषा को समझने में सक्षम होंगे। शिवरात्रि की शुभकामनाओं सहित- “नमों वासुकि भूषाय, सर्व भूषाय ते नमः, नमः कुमार रूपाय स्त्री रूपाय नमों नमः।”

— वीणा भार्गव, स्कीम नं. 8, गाँधी नगर, अलवर, मो.: 6378352167

नव वर्ष व्यथा

धिक्कार तुझे ओ महाराजा, धिक्कार तुझे ओ महारानी।
धिक्कार तुझे ओ क्षत्रीय, धिक्कार तुझे ओ क्षत्राणी॥
धिक्कार तुझे ओ गर्वीले व्यापारी, धिक्कार तुझे ओ विद्वान महाज्ञानी॥
धिक्कार तुझे ओ सफल अभिनेता, धिक्कार तुझे ओ अनपढ़ अज्ञानी॥
धिक्कार तुझे ओ राजनेता, धिक्कार तुझे ओ खिलाड़ी स्वर्ण पदक धारी॥
धिक्कार तुझे ओ छात्र-छात्रा, धिक्कार तुझे ओ किसान हलधारी॥
धिक्कार तुझे ओ बहना, धिक्कार तुझे ओ जननी पालनहारी॥

गर्व नहीं महामण्डलेश्वर तुम पर, गर्व नहीं मठाधीशाचारी॥
गर्व नहीं हे साधू तुम पर, गर्व नहीं हे धर्मचारी॥
गर्व नहीं पंडित तुम पर, गर्व नहीं हे पुजारी॥
गर्व नहीं अखाड़ाधारी तुम पर, गर्व नहीं हे तिलकधारी॥
गर्व नहीं लट्ठ बजाने वालों तुम पर, गर्व नहीं हे भगवाधारी॥
गर्व नहीं हिंदु संगठन तुम पर, गर्व नहीं हे हिंदुस्तानी॥

शाबाश हे पाश्चात्य संस्कृति, बजा रखा चारों तरफ तूने डंका है भारी॥
तेरे हर पर्व एवं त्योहार पर, आँख मूँद नाच रहा हर एक नर और नारी॥
शाबाश पाश्चात्य पहुँच तेरी, शाबाश अनोखी संस्कृति तेरी॥
शाबाश तुझे सात समंदर पार, कर रहा तू अपनी मनमानी॥
शाबाश तेरे नव वर्ष पर, हर गली सज रही काँयों सी चुभती फुलवारी॥
शाबाश एक जनवरी को हर शहर, आनंद बिखेरता हूँ तेरा आभारी॥

मन व्यथित है, मन उदास है, मन व्याकुल है, मन विह्वल है॥
मेरे नव संवत्सर चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को,
गली मोहल्ले में ऐसा आनंद, क्यों नहीं छलका जाता है॥
हर्ष, उत्साह, उल्लास, आनंद, झालार, सजावट, आतिशबाजी
क्या सनातनीयों नव संवत्सर, किसी प्रकार से इन सबके योग्य नहीं

ये हिंदु महाराजा, हिंदु राजनेता और ये हिंदु व्यापारी
ये धर्मचार्य, ये स्वामी, ये पंडित और ये पुजारी
ये अभिनेता, ये क्षत्रीय, ये वैश्य और ये महाज्ञानी
ये सभ्य समाज और ये हिंदु हिंदुस्तानी
अपने नव संवत्सर पर, हर्षित होता क्यों नहीं

लगता है तुमको अपने, नव संवत्सर पर अभिमान नहीं
क्यों स्वाभिमान तुम्हारा, उदीयमान होता नहीं
शहर, मकान, दुकान, प्रतिष्ठान, तुम सजाते क्यों नहीं
ये सारी रानी, क्षत्राणी, वीरांगना एवं बाला आगे आती क्यों नहीं
संपूर्ण विश्व पटल पर, नव संवत्सर का गर्वित विस्तार है क्यों नहीं

गर्व करो विक्रमादित्य ने, आज ही पंचांग प्रारंभ किया था
गर्व करो इसी पंचांग ने, संपूर्ण विश्व को
सात दिन का सप्ताह, बारह माह का वर्ष दिया था
गर्व करो नव संवत्सर को, पाश्चात्य ने नव वर्ष नाम दिया था
गर्व करो ब्रह्मा ने इस दिन से ही, सृष्टि का सृजन प्रारंभ किया था
गर्व करो इस दिन, श्री रामचंद्र जी एवं राजा युधिष्ठिर का राज्याभिषेक हुआ था

स्मरण रखें हम सब सनातनी, गर्विली संस्कृति का हिस्सा हैं
वर्ण व्यवस्था हमीं ने दी थी, शून्य हमारा ही किस्सा है
मोक्ष का निर्धारण हमारा था, हमीं ने कर्मफल प्रतिपादित किया था
शल्य चिकित्सा हमारी ही देन थी, पुष्पक विमान हमारा ही था
विश्व की सर्वशुद्ध भाषा, संस्कृत हमारी है, योग हमीं ने दिया था

एक जनवरी गणित के, अंकों का खेला है
नव संवत्सर अनेकानेक, खुशियों का मेला है
गर्मी-सर्दी, लू, पतझड़, बरसात, ओले सहकर प्रकृति ने
हरियाली नयी कोपलें, पुष्प एवं सुगंधा को बिखेरा है
धरती सज उठी नई नवेली दुल्हन सी, बसंत ऋतु का बसेरा है

ना धन कम हमारे पास, ना ही कम है बुद्धि
कार्य कुशलता हमारी रगों में, कुछ कम नहीं है शक्ति
नव संवत्सर सब मिल ऐसे मनाएं, जैसे ईश्वर की भक्ति
चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को, नव संवत्सर है
एक जनवरी को, अब तुम सब दे ही दो मुक्ति

प्रण करें आज ही हमारे नव संवत्सर को,
हम आनंद, उत्साह, स्नेह एवं हर्षोल्लास से मनाएंगे
यथा शक्ति और सामर्थ्य से, घर प्रतिष्ठान सजाएंगे
विदेशी भी करेंगे गर्व, हमारी वैज्ञानिक संस्कृति पर
सात समंदर पार से भी, हम असंख्य बधाइयाँ पाएंगे।

— एक सनातनी, राजेश भार्गव, चेरियट जेम्स एंड ज्वेलरी, सीतापुरा जयपुर
(इस वर्ष हमारा नव संवत्सर 30 मार्च को है। अभी से योजना बनाकर तैयारी प्रारंभ कर लें।)

जो सम्मान से कभी गर्वित नहीं होते,
अपमान से क्रोधित नहीं होते
और क्रोधित होकर भी,
जो कभी कठोर नहीं बोलते...
वास्तव में वे ही श्रेष्ठ होते हैं।

शायद मुझे जीना आ गया है

मैं जितने साल जी चुका हूँ, उससे अब कम साल मुझे जीना है। यह समझ आने के बाद मुझ में यह परिवर्तन आया है:-

- 1) किसी प्रियजन की विदाई से अब मैं रोना छोड़ चुका हूँ क्योंकि आज नहीं तो कल मेरी बारी है।
- 2) उसी प्रकार, अगर मेरी विदाई अचानक हो जाती है, तो मेरे बाद लोगों का क्या होगा, यह सोचना भी छोड़ दिया है क्योंकि मेरे जाने के बाद कोई भूखा नहीं रहेगा और मेरी संपत्ति को कोई छोड़ने या दान करने की जरूरत नहीं है।
- 3) सामने वाले व्यक्ति के पैसे, पावर और पोजीशन से अब मैं डरता नहीं हूँ।
- 4) खुद के लिए सबसे अधिक समय निकालता हूँ। मान लिया है कि दुनिया मेरे कंधों पर टिकी नहीं है। मेरे बिना कुछ रुकने वाला नहीं है।
- 5) छोटे व्यापारियों और फेरीवालों के साथ मोल-भाव करना बंद कर दिया है। कभी-कभी जानता हूँ कि मैं ठगा जा रहा हूँ, फिर भी हँसते-मुस्कुराते चला जाता हूँ।
- 6) कबाड़ उठाने वालों को फटी या खाली तेल की डिब्बी वैसे ही दे देता हूँ, पच्चीस-पचास रुपये खर्च करता हूँ, जब उनके चेहरे पर लाखों मिलने की खुशी देखता हूँ तो खुश हो जाता हूँ।
- 7) सड़क पर व्यापार करने वालों से कभी-कभी बेकार की चीज भी खरीद लेता हूँ।
- 8) बुजुर्गों और बच्चों की एक ही बात कितनी बार सुन लेता हूँ। कहने की आदत छोड़ दी है कि उन्होंने यह बात कई बार कही है।
- 9) गलत व्यक्ति के साथ बहस करने की बजाय मानसिक शांति बनाए रखना पसंद करता हूँ।
- 10) लोगों के अच्छे काम या विचारों की खुले दिल से प्रशंसा करता हूँ। ऐसा करने से मिलने वाले आनंद का मजा लेता हूँ।
- 11) ब्रांडेड कपड़ों, मोबाइल या अन्य किसी ब्रांडेड चीज से व्यक्तित्व का मूल्यांकन करना छोड़ दिया है। व्यक्तित्व विचारों से निखरता है, ब्रांडेड चीजों से नहीं, यह समझ गया हूँ।
- 12) मैं ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखता हूँ जो अपनी बुरी आदतों और जड़ मान्यताओं को मुझ पर थोपने की कोशिश करते हैं। अब उन्हें सुधारने की कोशिश नहीं करता क्योंकि कई लोगों ने यह पहले ही कर दिया है।
- 13) जब कोई मुझे जीवन की दौड़ में पीछे छोड़ने के लिए चालें खेलता है, तो मैं शांत रहकर उसे रास्ता दे देता हूँ। आखिरकार, ना तो मैं जीवन की प्रतिस्पर्धा में हूँ, ना ही मेरा कोई प्रतिद्वंद्वी है।
- 14) मैं वही करता हूँ जिससे मुझे आनंद आता है। लोग क्या सोचेंगे या कहेंगे, इसकी चिंता छोड़ दी है। चार लोगों को खुश रखने के लिए अपना मन मारना छोड़ दिया है।
- 15) फाइव स्टार होटल में रहने की बजाय प्रकृति के करीब जाना पसंद करता हूँ। जंक फूड की बजाय बाजरे की रोटी और मटर की सब्जी में संतोष पाता हूँ।
- 16) अपने ऊपर हजारों रुपये खर्च करने की बजाय किसी जरूरतमंद के हाथ में पाँच सौ हजार रुपये देने का आनंद लेना सीख गया हूँ। और हर किसी की मदद पहले भी करता था और अब भी करता हूँ।

- 17) गलत के सामने सही साबित करने की बजाय मौन रहना पसंद करने लगा हूँ। बोलने की बजाय चुप रहना पसंद करने लगा हूँ। खुद से प्यार करने लगा हूँ।
- 18) मैं बस इस दुनिया का यात्री हूँ, मैं अपने साथ केवल वह प्रेम, आदर और मानवता ही ले जा सकूँगा जो मैंने बाँटी है, यह मैंने स्वीकार कर लिया है।
- 19) मेरा शरीर, मेरी आत्मा और मेरा नाम सब मुझको दिया हुआ है... जब मेरा अपना कुछ भी नहीं है, तो लाभ-हानि की क्या गणना?
- 20) अपनी सभी प्रकार की कठिनाइयाँ या दुख लोगों को कहना छोड़ दिया है, क्योंकि मुझे समझ आ गया है कि जो समझता है उसे कहना नहीं पड़ता और जिसे कहना पड़ता है वह समझता ही नहीं।
- 21) अब अपने आनंद में ही मस्त रहता हूँ क्योंकि मेरे किसी भी सुख या दुख के लिए केवल मैं ही जिम्मेदार हूँ, यह मुझे समझ आ गया है।
- 22) हर पल को जीना सीख गया हूँ क्योंकि अब समझ आ गया है कि जीवन बहुत ही अमूल्य है, यहाँ कुछ भी स्थायी नहीं है, कुछ भी कभी भी हो सकता है, ये दिन भी बीत जाएँगे।
- 23) आंतरिक आनंद के लिए मानव सेवा, जीव दया और प्रकृति की सेवा में डूब गया हूँ, मुझे समझ आया है कि अनन्त का मार्ग इन्हीं से मिलता है।
- 24) प्रकृति में रहने लगा हूँ, मुझे समझ आ गया है कि अंत में उसी की गोद में समा जाना है।
देर से ही सही, लेकिन समझ आ गया है, शायद मुझे जीना आ गया है
मुझे लगता है, यह प्रत्येक सीनियर सिटीजन को तो स्वीकार करना ही है। (संकलित)

With best compliments from



Directors :

**RAKESH BHARGAVA,
MUKESH BHARGAVA**

C-59, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110 020

Phones: (011) 40526780, 41089990

E-mail: rakkmopress06@gmail.com • design.rakkmopress@gmail.com

Mobile: (Rakesh) 9810193546 • (Mukesh) 9811057582

Residence :

G-277, Sarita Vihar, New Delhi-110 076

Phones: 26948987 • 26974258

अहंकार

अहंकार का शाब्दिक अर्थ है अभिमान, बड़ाई की बातें, घमंड, शेखी, डींग आदि। इन संज्ञा शब्दों से ही इसके विशेषण अहंकारी, अभिमानी, घमंडी जैसे शब्दों की उत्पत्ति होती है। अहंकार तीन प्रकार के होते हैं:-



श्री बालकृष्ण जी

1. सात्त्विकः- इस प्रकार का अहंकार रचनात्मक होता है जो सदैव त्याग करने के लिए उत्पर रहता है। इस प्रकार का अहंकार शक्ति व हिम्मत को बढ़ावा देता है ताकि चुनौतियों का सामना कर डिप्रेशन से दूर रहा जा सके। इस प्रकार का अहंकार सर्वोत्तम व लाभकारी होता है।

2. राजसीयः- इस प्रकार का अहंकार स्वार्थी होता है जो स्वयं को व दूसरों को नष्ट करने वाला होता है।

3. तामसिकः- इस प्रकार का अहंकार अंधा व क्रूर होता है। यह सबको हानि पहुँचाने वाला होता है।

स्वामी विवेकानंद के अनुसार उपरोक्त दोनों प्रकार के अहंकार समस्त आसक्तियों की जड़ है। अहंकारी, अज्ञानी तो होता ही है किंतु अपने को सर्वज्ञ ज्ञानी समझता है। अहंकारी अपने को सदैव उच्च व दूसरों को हीन समझता है और स्वयं अनैतिक आचरण पर चलने लगता है। स्वयं को सर्वोच्च मान लेना इसी की उत्पत्ति है।

अहंकार हमारी परस्नैलिटी को ठीक उसी प्रकार धुंधला किये रखता है जिस प्रकार धड़कते अंगारों पर जमी राख की परतें अंगारों की चमक को धुंधला रखती है। अहंकार ही व्यक्तिव की अवनति का मूल कारण है जो विकास को रोक देता है। बुद्धापा सुंदरता को, आशा धैर्य को, क्रोध बुद्धि को उसी प्रकार अभिमान कीर्ति को हर लेता है। अभिमान कम होते ही कीर्ति में स्वतः वृद्धि होने लगती है। किसी का भला उसे सहनीय नहीं होता है। उसके अपने मार्ग में किसी प्रकार की बाधा उसे उग्र व हिंसक बना देती है।

वास्तव में जीवन में दुःखद घटनाओं का असली कारण अहंकार है। अहंकार के कारण ही हम अपने को जीवन के हर क्षेत्र में सर्वोत्तम समझते हैं। अहंकार के मद में चूर होकर हम दूसरों के अनुभवों और ज्ञान की ओर ध्यान ही नहीं दे पाते तो उसे ग्रहण करने का प्रश्न ही नहीं उठता। हमारा अहं तो उसकी अच्छाइयों को दबा देता है और उसकी बुराइयों को ढूँढता रहता है। दूसरों को नीचा गिराकर स्वयं आगे बढ़ने के चक्कर में रहता है। अहंकारी के लिए नीति नियम कुछ भी नहीं। अहंकार के कारण मनुष्य से अनेकों पाप होते रहते हैं। अहंकार एक विकृत बोध है जो वास्तव में है नहीं, पर उसके होने का आभास होता है। अहंकार नकारात्मक भाव की चरम सीमा एवं परम शिखर है। उसकी स्थिति एक फूले हुए गुब्बारे या पानी के बुलबुले की तरह होती है, पता नहीं कब-कहाँ-कैसे फूट पड़े। इसी कारण बुद्धिजीवी इनसे दूर ही रहते हैं। वास्तव में यह रेगिस्तान की मृगतृष्णा के समान है जिससे ना तो स्वयं की और न ही दूसरों की प्यास बुझ पाती है।

हाँ, अहं प्रधान व्यक्ति की एक विशेष बात होती है कि जब संकल्पवान होकर कोई अच्छा या रचनात्मक कार्य मन से अपने हाथ में लेता है तो वह निश्चय ही धैर्य के साथ सफलता प्राप्त कर लेता है। **उदाहरणार्थः** डाकू रत्नाकर में जब अहंकार अपने चरम सीमा पर पहुँच चुका था किंतु जब उसके हृदय में दिशा परिवर्तन व सदुपयोग की लहर फूट पड़ी, तब उसकी लेखनी से भावनाओं से ओत प्रोत कविताएँ निकलने लगी। इसी प्रकार अंगुलिमाल का जब अहंकार फूटा, उसके मन में ईश्वर के प्रति आस्था जाग उठी और वह ईश्वर का अनन्य भक्त बन गया। इस बात को हम एक रूपक के माध्यम से समझने का प्रयास

करेंगे। मनुष्य जब विनम्रता की थाली में क्षमता की आरती, प्रेम का घी, अटूट विश्वास का नैवेद्य व अपने इष्ट देव का ध्यान रखते हुए समर्पित करेंगा तब प्राश्चित रूपी आरती के जलने पर इसकी लो में “मैं” रूपी अहंकार का राक्षस स्वतः जलकर भस्म को जाएगा।

अंत में, मैं एक दृष्टांत देना चाहूंगा कि एक बार बर्फ से पूछा कि तुम इतनी ठंडी क्यों हो। बर्फ ने बहुत ही सुंदर उत्तर दिया कि मेरा अतीत भी पानी, वर्तमान भी पानी और भविष्य भी पानी है, फिर गर्मी (अहंकार) किस बात की। इंसान का भी यही हाल है खाली हाथ आया, खाली हाथ ही जाएगा फिर अहंकार किस बात का। जब अहंकार और पेट दोनों बढ़ते हैं तब इंसान इच्छा होते हुए भी किसी को गले नहीं लगा पाता। फिर अहंकार क्यों और किस लिए, मात्र इसलिए कि मैं सर्वोत्तम हूँ, सर्वश्रेष्ठ हूँ। सर्वश्रेष्ठ कौन होता है, वह भी कब तक के लिए, आज कोई सर्वश्रेष्ठ है, सर्वोत्तम है तो कल कोई दूसरा और परसों तीसरा और श्रृंखला इसी प्रकार चलती रहती है क्योंकि सर्वश्रेष्ठ तो एक ही होगा। ईश्वर ने प्रकृति में प्रत्येक कोई ना कोई कमी अवश्य दी है ताकि अहंकार ना पैदा हो पाए। कोई कितना भी महान् क्यों ना हो प्रकृति उसे महान् बनने का मौका नहीं देती। कंठ दिया कोयल को तो रूप छीन लिया, रूप दिया मोर को तो इच्छा छीन ली, इच्छा दी इंसान को तो संतोष छीन लिया, संतोष दिया सत्य को तो संसार छीन लिया। ईश्वर ने मिट्टी से बनाकर मिट्टी में मिला दिया तो फिर क्यों, किस बात का और किस लिए अहंकार।

यदि हमारी आदतों में क्रोध, अकड़ और घमंड हैं तो वह हमें बर्बाद करने के लिए शत्रु नहीं, हम स्वयं काफी हैं। केवल अहंकार ही एक ऐसी दौड़ है जहाँ हर जीतने वाला हार जाता है। अहं ने तो किसी को भी नहीं बक्शा। राम जी के अयोध्या वापस आने पर माँ कौशल्या ने श्री राम से पूछा- ‘मार दिया रावण को तुमने।’ तब भगवान् श्री राम ने बहुत सुंदर जवाब दिया- ‘महा प्रतापी, महा ज्ञानी, महा बलशाली, प्रकांड पर्डित, महा शिव भक्त, चारों वेदों के ज्ञाता, शिव तांडव स्त्रोत के रचयिता रावण को “मैंने” नहीं मारा, उसे तो उसकी “मैं” ने मारा।’

‘मैं, अहंकार, अहं’ इसने किसी को भी नहीं बख्शा। किन सांसों का मैं एतबार, अहंकार करूँ जो अंत में मेरा साथ छोड़ देगी, किस धर्म का मैं अहंकार करूँ जो मेरे प्राणों को बचा नहीं पाएगा, किस तन का मैं अहंकार करूँ जो मेरी आत्मा के बोझ को उठा नहीं पाएगा।

सारांश:- “मनुष्य को सदैव अभियान प्रदर्शन व अहंकार से बचना चाहिए।”

— (संतोष)-बालकृष्ण भार्गव, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, मो.: 9891910968

मोबाइल

याद आता गुजरा जमाना नाई का घर-घर बिलऊआ (इन्वीटेशन) व संदेशा पहुँचाना।

अब तो मोबाइल, व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल का जीवन व प्राइवेशी में जबरन घुस जाना।

प्रातः व्हाट्सएप खोला निधन का दुःखद समाचार पाया, सभी ने बारंबार दोहराया।

हाए! ये कैसी विडंबना साथ ही, जन्म, विवाह, वर्षगांठ, बधाईयों का सुर्खियों में तान्ता लगाया।

झूठ या सच, कुछ भी ठोक देते, फ्री में अपने प्रचार, विज्ञापन व मजे के लिए।

ना लेना-ना देना, जान ना पहचान, बड़ी बूआ सलाम, बेचारे मोबाइल का घुटता दम फालतू के भार से। मोबाइल की लत दिमाग पर चढ़, हो रही बेकाबू, ‘बाल’ कहें रुक जाती साँसें कभी - कभी इसी के अधिक भार से।

— (संतोष)-बालकृष्ण भार्गव, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, मो.: 9891910968

समय का चक्र

भारत ही क्यों संपूर्ण विश्व में समय सबसे अधिक बलवान, महत्वपूर्ण एवं मूल्यवान है। यदि धन, संपत्ति या कोई अन्य मूल्यवान वस्तु गुम हो जाए तो वह पुनः अर्जित की जा सकती है किंतु समय हाथ से निकल जाए तो चाहे जितने प्रयत्न करने पर भी बीता समय कदापि वापस नहीं आ सकता।

समय का चक्र सदैव गतिशील रहता है, ना तो रुकना इसका धार्म है और ना ही किसी की प्रतीक्षा करना। कुछ लोग यह सोचा करते हैं की प्रमुख/अमुक कार्य समय आने पर कर लेंगे, ऐसी उनकी सोच गलत है क्योंकि समय तो कभी आता ही नहीं वह तो जाता है जो गया सो बीत गया उसे ढूँढ़ना, पाना या देखना तक असंभव है। अंत में समय चेतावनी देते हुए कहता है। ऐ मानव मैं सारे विश्व में अनमोल हूँ। मेरा सदुपयोग न करने वालों से मैं चला जाऊँगा, फिर कभी लौटकर न मिल पाऊँगा क्योंकि मैं गतिशील हूँ। मेरा निरंतर गति का अदृश्य चक्र चलता रहता है जो कभी किसी की भी प्रतीक्षा नहीं करता है। अतः मेरा उपयोग करते समय सदैव सफलता की ओर बढ़ते रहोगे। मेरा सदुपयोग करने वालों को ऐसा आशीर्वाद वचन। सदैव सकारात्मक सोच, अच्छे कर्म, अच्छे विचार, समय को अच्छा बनाते हैं किंतु बुरे कर्म, बुरी सोच, बुरी लगन, बुरी संगत, समय को भी बुरा बना देते हैं। तब समय उसे छिड़क कर दूर भागता चला जाता है तभी तो कहा जाता है मनुष्य के द्वारा समय के सदुपयोग में ही उसके श्रम के जीवन की सफलता का रहस्य छिपा रहता है और वह समय को पहचान कर जीवन के उच्चतम सिखर की ओर बढ़ते हुए समय-बद्ध कार्यक्रम में सफलता प्राप्त कर लेता है।

अतः समय का सदुपयोग ही जीवन का मूल मंत्र होना चाहिए। गीता के कर्मयोग यानी काम करने की भावना से सदैव प्रेरित होना चाहिए। सफलता - असफलता की ओर ध्यान कभी नहीं देना चाहिए जो समय पर कर्म करेगा वही सफल हो पाएगा, जो कर्म करेगा ही नहीं तब उसके सफल होने का प्रश्न ही नहीं उठता। उसे यूँ भी कह सकते हैं 'गिरते हैं शहर सवार ही मैदान-ए-जंग में, वे तुफल क्या गिरेंगे जो घुटनों के बल चले।' काम कोई भी छोटा या बड़ा नहीं होता है लगन और मेहनत से करना सबसे बड़ा काम है। उसे समय अनुसार कर्म करने की प्रबल लगन व ईमानदारी से ऊँचाई के सर्वोत्तम शिखर की ओर ले जाता है। प्रत्यक्ष प्रमाण को साक्षी क्या एक चाय बेचने वाला मामूली इंसान कहाँ से कहाँ तक बढ़ते हुए भारत के सर्वोच्च पद प्रधानमंत्री तक पहुँच गया है। आज का काम कल पर कदापि नहीं छोड़ना चाहिए उसे तुरंत आरंभ करना चाहिए। समय के सदुपयोग के बारे में संत कबीर ने कहा है- "काल्ह करे सो आज कर आज करे सो अब, पल में प्रले होगी बहुरि करोगे कब।"

मनुष्य के समय के सतत सदुपयोग के कारण ही देश का विकास व महान कविभूतियों का निर्माण संभव हो सका। यदि मनुष्य ऐसे ही समय को बर्बाद करता रहता तो सुख, साधन व नवीनता कहाँ से आती। पशु व मानव में यही सबसे बड़ा अंतर है कि एक तो समय का सदुपयोग कर अपना व वंश का विकास कर उन्नति के शिखर की ओर ले जाता है जबकि पशु ऐसा नहीं कर पाता है। मनुष्य का एक-एक साँस लेना जीवन का छोटा होना अर्थात् मृत्यु की ओर अग्रसर होने को दर्शाता है। अतः एक-एक पल व एक-एक साँस को बिना गवायें मनुष्य सदैव भूत से शिक्षा लेते हुए वर्तमान को देखते हुए भविष्य में सफलता की ओर ले जाता है। समय सारणी (टाइम मैनेजमेंट) बनाकर सदैव समय का सदुपयोग करना चाहिए। 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेह।'

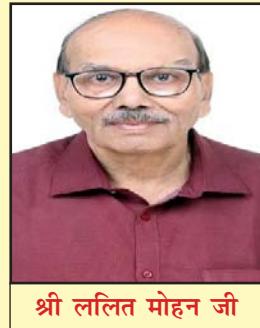
— (संतोष)-बालकृष्णा भार्गव, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, मो.: 9891910968

रामचरित्र मानस में प्रतिपादित सिद्धांत

मानस में दो सिद्धांतों की बात आती है। एक है कर्म का सिद्धांत इसकी मान्यता है कि भगवान न्याय परायण हैं और जीवों को उनके कर्म के अनुरूप फल प्रदान करते हैं —

“करम प्रधान विश्व करि राखा। जो जस करइ सो तस फल चाखा॥” (2/118)

यह सिद्धांत न्याय पर बल देता है। दूसरा है भक्ति का सिद्धांत, जो कृपा पर बल देता है। हम भगवान को न्यायाधीश मानें या कृपालु? तुलसीदास जी कहते हैं कि व्यक्ति दो प्रकार के होते हैं - एक अपराधी दूसरे रोगी। अपराधी के प्रति मन में क्रोध आता है और रोगी के प्रति सहनभूति। अपराधी के लिए न्याय की व्यवस्था की जाती है, जबकि रोगी के लिए उपचार की। एक प्रसंग आता है कि जब विभीषण राम की शरण में आए तो सुग्रीव ने प्रभु राम को सूचना दी-“आवा मिलन दशानन भार्ग” (5/42/4)



श्री ललित मोहन जी

प्रभु बोले कि जब कोई मिलाने आया है तो आने दो। सुग्रीव ने कहा रावण का भाई वेश बदलकर आया है और हमारा भेद लेना चाहता है -

“भेद लेन पठवा दससीसा” प्रभु श्रीराम ने पूछा - तब तुम्हारा मत क्या है?

सुग्रीव बोले - मुझे तो लगता है उसे बांध कर रख लिया जाए। यह सुन भगवान राम हनुमान जी की ओर देखने लगे। गीतावली में तो आता है कि प्रभु ने देखा ही नहीं जोर-जोर से हँसने भी लगे। हँसने का कारण सुग्रीव तो नहीं हनुमान जी समझ गए। जैसे आपने किसी को भोजन का निमंत्रण दिया, वह तो घर आ गया पर आपने घर में बताया ही नहीं कि आपने किसी को भोजन पर आमंत्रित किया है, इसलिए किसी ने उसका स्वागत नहीं किया, बल्कि उसे अपमानित करने लगे। प्रभु राम का हनुमान जी को देखने का भाव यह था कि हनुमान तुम तो लंका में जाकर विभीषण को शरणागति का निमंत्रण दे आए और अब चुप बैठे हो, जबकि सुग्रीव विभीषण को बांधने की तैयारी कर रहे हैं। तुम लंका होकर आए हो तुम्हीं बताओ कि विभीषण कैसा है। हनुमान जी ने प्रभु राम के चरण पकड़ लिए और कहा मैं यह नहीं कहूँगा कि वे सज्जन हैं, सहद हैं या भक्त हैं। आपको खबर मिली है कि विभीषण शरण में आए हैं। अब आप बतलाइये कि शरणागत का न्याय किया जाता है कि वह कितना अच्छा है या कितना बुरा है अथवा उसके कष्टों का उपचार किया जाता है। क्या आप अपनी करुणा रूपी औषधि से उसके कष्टों का उपचार कर सकते हैं। यह तर्क सुन भगवान राम प्रसन्न होकर विभीषण को अपनी शरण में ले लेते हैं। समाज में दो प्रकार के व्यक्ति दिखाई देते हैं, एक तो राक्षस प्रवृत्ति वाले कह सकते हैं और दूसरे को रोगी प्रवृत्ति वाले। राक्षस के प्रति न्याय की प्रधानता और रोगी के प्रति करुणा की प्रधानता। इसी को मानस में कर्म सिद्धांत और भक्ति सिद्धांत के रूप में प्रतिपादित किया है। रामायण के दो पात्र देखें - एक ताड़का और दूसरी अहिल्या। दोनों में एक-एक कमी है - एक में भारी क्रोध और दूसरी में काम। विश्वामित्र मुनि एक का परिचय राक्षसी के रूप में देते हैं तो दूसरी का शिला के रूप में। विश्वामित्र जी ताड़का को दिखलाकर उसका वध करने को कहते हैं -

चले जात मुनि दीन्हि देखाई। सुन ताड़का क्रोध कर धाई॥

एकहि बान प्राण हरि लीन्हा। दीन जान तेहि निज पद दीन्हा॥

इस तरह कर्म सिद्धांत के अनुसर उसे दंड दिया। यहाँ श्री राम मुनि के यज्ञ की रक्षा करने जा रहे हैं, यज्ञ में कर्म प्रधान होता है, इसलिए कर्म सिद्धांत का पालन कर रक्षासों को दंड दिया। समाज में अपराधी को दंड मिलना ही चाहिए, जिससे लोगों के मन में अपराध करने की इच्छा ही न हो। जब भार्गव पत्रिका]

श्री राम आगे जनकपुर की ओर जाते हैं, तो एक निर्जन आश्रम में एक शिला देखकर विश्वामित्र जी उसे अहिल्या बतलाते हैं। ताड़का क्रोधी थी, तो अहिल्या के चरित्र में काम था। क्रोध, काम और लोभ को प्रबल दोष बताया गया है।

गोस्वामी जी लिखते हैं –

तात तीन अति प्रबल खल काम क्रोध और लोभ।

मुनि विग्यान धाम मन करहि निमिष महुँ छोभ॥ (3/38)

ताड़का में क्रोध होने के कारण प्रहार किया गया, तो अहिल्या पर भी काम के कारण प्रहार होना चाहिए, लेकिन राम के पूछने पर गुरुदेव ने कहा –

गौतम नारि श्राप बस उपल देह धरि धीरा।

चरण कमल रज चाहति कृपा करहु रघुवीर॥

इसे अपने चरणों की धूल देकर सजीव करो।

यह जो विश्वामित्र ताड़का और अहिल्या में भेद करते हैं, इसका कारण है कि ताड़का राक्षसी है और अहिल्या रोगी। यही अंतर राक्षस और देवताओं में है, राक्षसों को किए गए पापों के प्रति रंच मात्र भी तकलीफ या अफसोस नहीं होता, बल्कि अपने द्वारा किये गये पापों का वर्णन दूसरों के सामने गर्व से बिना हिचक के करते हैं। दूसरे ऐसे लोग हैं, जो बुरा करने की इच्छा नहीं रखते। बुराई को बुराई ही समझते हैं, फिर भी छोड़ नहीं पाते हैं। वे लोग रोगी की श्रेणी में आते हैं और जब कोई व्यक्ति रोगी बन जाता है, तो उसे दंड नहीं दिया जाता, बल्कि दवा देकर उसका रोग दूर किया जाता है। ठीक ऐसे ही देवता भी रोगी हैं, वे अपनी बुराइयों को जानते भी हैं। वे अपने मन की दुर्वलता के कारण पाप कर बैठते हैं, जिसका उन्हें पश्चाताप् भी होता है। उदाहरण के लिए रावण और इंद्र को लेते हैं। रावण साधु का वेश बना, सीता जी का अपहरण करता है और इंद्र साधु गौतम मुनि का वेश बना अहिल्या का पतिव्रत्य हर लेता है। दोनों के कार्य एक जैसे हैं। लेकिन रावण को राक्षस और इंद्र को देवता कहते हैं। दोनों के चरित्र में एक अंतर है। रावण को सीता जी का अपहरण करने पर लज्जा का अनुभव नहीं होता। विभीषण के समझाने पर उन्हें लात मारकर निकाल देता है। माल्यवान के समझाने पर उन्हें सभा से निकल जाने को कहता है। इंद्र पर दुर्वलता के कारण वासना हावी होती है और भूल कर बैठता है। उसे अपनी भूल का एहसास होता है। जब सामने गौतम ऋषि को देखता है, तो उनके चरणों में गिर जाता है न कि उन पर बज्र का प्रहार करता है। महर्षि के श्राप को सिर पर धारण करता है और उसका प्रयश्चित करता है।

समाज में बहुत से लोग राक्षस की तरह होते हैं। वे बुराई से प्रेम करते हैं। बुराई को दूर करने का कोई प्रयास भी नहीं करते। इसलिए वे दंड के भागी हो सकते हैं। अन्य बहुत से जीवन से बुराई को दूर कर देना चाहते हैं, यदि नहीं कर पाते तो इसी का संकेत रामचरित मानस में दिया गया है। दुर्गुण यदि हमारे जीवन में राक्षसों की तरह हैं, तो हमें दंड का भागी बनना पड़ेगा और यदि रोग की तरह हैं, तो उन्हें चिकित्सा द्वारा दूर किया जायेगा।

गीता में भी भगवान श्री कृष्ण कहते हैं – अतिशय दुराचारी भी मेरा भजन अनन्य भाव से करता है, तो वह भी शीघ्र धर्मात्मा हो जाता है। भगवान राम भी शरणागति की व्याख्या औषधालय के सिद्धांत के रूप मैं करते हैं –

जों नर होइ चराचर द्रोही, आवे सभय सरन तकि मोही।

तजि मद मोह कपट छल नाना, करऊँ सद्य तेहि साधु समाना।

— ललित मोहन भार्गव, 314, लाजपत नगर, अलवर

With Best Compliments From

M/s. AMMONIA MARKETING Co.

Suppliers of Ammonia Gas and Liquor Ammonia

No.125, 3rd Phase, Peenya Industrial Area,
BANGALORE - 560 058

Tel. : (O) (080) 28392156 • 28397411

Fax : (080) 28394402

E-mail : amcobgl@gmail.com



M/s. VIJAY CORPORATION

Suppliers of Ammonia Gas and Liquor Ammonia

Opp. Mavoo Mill, NH 47, Navakkari Post,
COIMBATORE - 641 105

Tel. : (0422) 2656284 • 2656812 • 3105721

Fax : (0422) 2856284

E-mail : ammoniavjy@sify.com



Managed by

SHRI SOHAN BHARGAVA, Bangalore

Tel. : (Res.) (080) 23342046, 23349806 • (M) 09845012071

With Best Compliments From

AMMONIA SUPPLY COMPANY

**Unit No. 1073, Plaza I, Manohar Lal Khurana Marg,
DCM Complex, Bara Hindu Rao, Delhi - 110006**

Tel. : (Off.) 23552048, 23623802, 23631941, 49070252

E-mail : jitin@ascoindia.org

(Res.): 23970203, 23953020

Mobile : 09312401850 • 09350163975

Suppliers of :

ANHYDROUS AMMONIA - LIQUOR AMMONIA

In any quantity - anywhere in India

Associates :

1. Asco Engineering Company
2. Asco Industrial Corporation
(Prop. Ammonia Supplies Corporation Pvt. Ltd., New Delhi)
3. Ammonia Marketing Co., Ghaziabad
4. Ammonia Supply Co., Mumbai
5. Ammonia Marketing Co., Bangalore
6. Vijay Corporation, Coimbatore



FOUNDER

Dr. MURARI LAL BHARGAVA

(17-04-1922 — 29-01-1999)

With Best Compliments From:



Rakesh Bhargava



Abhishek Bhargava

ANUPAM CATERERS

Office : Shop No. 18, Sector - 3 (RHB) Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur

Residence : 32/511, Sector - 3, Near Central School,

Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur

Mob.: 9414079994, 9829057205, 9672994949 • Ph.: 0141-2792449

E-mail : rakeshbhargavadeys@gmail.com

Abhishek Bhargava

Lifecare Pharmacy

For all your prescription you need

What we offer :

- No long waits
- We beat all competitor prices
- One shop for all prescription needs
- Free home delivery
- Attractive discounts on medicines
- Surgical equipments are also available.



52/154, Pratap Nagar, Behind Axis Bank, Sector-5, Sanganer, Jaipur

M.: +91-96729-94949, +91-94140-79994

"IN THE EVER LASTING AND SWEET MEMORIES OF OUR PARENTS"



Late Pt. Prem Kishore ji - Smt. Chandrakanta Bhargava

(21.9.1930-16.04.1976) (16.07.1932-16.3.2011)

Messrs Brij kishore Bhargava

(Mine Owners & Minerals Suppliers)

Chemical Commercial Corporation

(Processors & suppliers of minerals & its Products)

Raja Bhargava Lime & Chemicals

(Mfg. of High Grade Quick lime & Hydrated lime)

Shree Bhargava Minerals & Chemicals

(Mfg .of Calcium Hydroxide, Wall Care Putty & Building Products)

(AN ISO 9001:2008 CERTIFIED COMPANY)

With Best Wishes & Compliments From -

Ku. Meera Bhargava – (Social Activist)

Mr. Brij Kishore & Mrs. Mamta Bhargava

Mr. Arvind & Dr. (Mrs.) Anupama Bhargava

Er. Anand & Mrs. Priya Bhargava

Dr. Jitendra & Mrs. Maya Bhargava

Priyank, Dr. Apoorva, Dr. Ananya, Devank, Surabhi & Shriyank

Website: www.bhargavaminerals.com, www.bhargavachemicals.com

Bhargava House, Bhargava Lane, Nai Basti, Katni (M.P) - 483501

Office : 07622-220645, 405645 Res : 07622-220122 • E-mail: bhargavaminerals@gmail.com

Mobile : +91-9425154366, +91-9425157452, +91-9424308775



GRACURE PHARMACEUTICALS LTD.

251-254, 2nd Floor, DLF Tower, Shivaji Marg, Delhi- 110 015 (India).

Phone: +91-11-47770900, E-mail : info@gracure.com, Website : www.gracure.com

- EU GMP Certification (Unit-1)
- Certificate for Tablets, Capsules, Liquid Syrups Ointment & Dry Syrups
- Believes in “Quality On Time & In Full”



With Best wishes from :



A.S. Bhargava
Mg. Director



Parag Bhargava
Director



Sheere Bhargava
Vice President

In everlasting memory of
Shri Vijai Narain Bhargava



Managing Director : Rajiv Bhargava
Director : Neeraj Bhargava
Executive Director : Sanjay Bhargava
Executive Director : Seema Bhargava

HBD Packaging Pvt. Limited

An ISO 9001 : 2015 (QMS) ; ISO 22000 : 2018 (FSMS); HACCP & FSC Certified Company

19, Udyog Kendra Industrial Area, Ecotech III, Greater Noida (U.P.) - 201 306

Tel. : +91 9810150447 • Email : info@hbdpackaging.com

Manufacturers of :

Products : Manufacturers of Folding Cartons • Litho Laminated (3 ply) Cartons • Blister Cards • 4/6 Corner Boxes Trays • Liner Cartons • Food Packaging Cartons • Rigid Boxes • Sleeves • Point of Sale Dispenser • Catch Cover Labels & Literature Sheets (Leaflets) etc. • **Capabilities :** UV & LED printing on Met-pet Sheets Texture Coating (Drip off) • Thermal, Window and Normal Film Lamination on Automatic Machines Board to Board Pasting • Flute Lamination on Automatic Machines • Offline Blanking Double Piece Carton Gluing (3ply); Window Patching • Screen Printing & Coating Effects on Automatic Machines etc.

Serving Packaging requirements for more than 40 years



With Best Compliments From

HBD PAPER CONVERTORS

Convertors for Paper & Board Mills

Finishing and Converting over 1,500 tons per day of
Paper / Board in different Mills at various locations.

Providing Employment to over 1200 persons
including 5 Managers, 35 Supervisors
& 12 Shift Incharge.

Administrative Office : 19, Udyog Kendra Industrial Area
Ecotech III, Greater Noida (U.P.) – 201 306

Conversion Unit : 128, Udyog Kendra Industrial Area,
Ecotech III, Greater Noida (U.P.) – 201 308
Email : hbdconvertor@gmail.com

Chief Executive : Mrs. Ritu Bhargava, Mob. : +91 9818557932
Head Operations : Mr. Amar Chand, Mob.: +91 9873036980
Head Commercial : Mr. Krishan Kumar, Mob.: +91 9717246523

Currently Converting at following Mill's Sites

1. Century Pulp & Paper, Lalkuan, Nainital (Uttarakhand)
2. West Coast Peper Mills, Dandeli (Karnataka)
3. Kuantum Paper Ltd., Hoshiarpur (Punjab)
4. Mehali Paper Mills, Dahej, Bharauch (Gujarat)
5. The Sirpur Paper Mills Ltd., Kaghaz Nagar (Telangana), J.K. Paper Unit
6. Naini Papers Ltd., Kashipur (Uttarakhand)
7. Shah Paper Mills Ltd., Vapi (Gujarat)
8. K.R. Paper Mills Ltd., Shahjanpur, (Uttar Pradesh)
9. N.R. Agarwal Paper Mill, Unit-5 - Vapi (Gujarat)
10. Orient Paper Mills Ltd. - Amlai (Madhya Pradesh)



राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित संस्था

कल्याण करोति



Follow us
@kalyanamkaroti

निर्माणाधीन

अंदाज निवारण की दिशा में समर्पित एक प्रकल्प

सुपर स्पेशलिटी नेत्र चिकित्सालय

गोवर्धन चौराहा से 8.5 किमी, गोवर्धन रोड, मथुरा



असहाय नेत्र रोगियों की समस्याओं के उपचार हेतु
निर्माणाधीन चिकित्सालय में अपना कृपापूर्ण सहयोग
प्रदान करने की कृपा करें।

विशेषताएँ

- मोतियाविंद, नजरों का तिरछापन, वाल नेत्र रोग इत्यादि समस्याओं के लिए चिकित्सा
- ब्लूकॉरोना, रेटिना (आँख का पर्दा) जैसे रोगों का इलाज, नेत्र शिविरों का आयोजन
- नेत्र कैंसर, अपतर्तक (लोज़र) सर्जरी, ओकुलोपाटार्टी (आँख सम्बन्धी प्तारिटक सर्जरी) की सुविधा
- आई वैंक का संचालन
- नेत्र अनुसंधान एवं विकास केंद्र
- शिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र



कल्याण करोति

कल्याण धाम

मसानी-टिल्ती मार्ग, सरस्वती कुण्ड, मथुरा (उप्र०) 281001

kalyanamkarotimathura@gmail.com
+91 9897203030, +91 9760203030

www.kkm.org.in

सदस्यता

संस्थापक सदस्य	संरक्षक सदस्य	आजीवन सदस्य	अति विशिष्ट सदस्य
1 करोड़	51 लाख	21 लाख	11 लाख
एक करोड़ का निर्माण 7 लाख	विशिष्ट सदस्य 5 लाख	साधारण सदस्य 2.5 लाख	सहयोगी सदस्य 1 लाख

आप एक वर्ष के निर्माण हेतु श्री अपवा महावपूर्ण सदस्यों प्रदान कर सकते हैं, जिसमें 2100 झूलों का घबराहिं का लव्य संभालित है।
(कुल निर्माणाधीन छोड़फल 1.76 लाख वर्ष के फूट)

बैंक विवरण

HDFC BANK

A/c Holder	Kalyanam Karoti
A/c Number	50100573815172
IFSC Code	HDFC0000268

संस्था को दिया गया दान आयकर की धारा 80जी के तहत कर मुक्त हैं।

FCRA NO.	136570069
80G NO.	AAATK5384MF20214
CSR NO.	CSR00008688

In the Ever Loving Memory of



Smt. Santosh Bhargava
(12.01.1942 to 30.01.2012)

D/o Late Shri B.D. Bhargava & Smt. Kameshwari "KAMA"
OF CHANDAUSI
W/o Shri Triloki Nath Bhargava



KAMA DIAGNOSTICS

(Ultrasound and Cancer clinic)
(Dr. Amit & Dr. Nidhi Bhargava)

VPS 16-17, Shipra Krishna Vista Plaza, Indirapuram, GHAZIABAD.
Phone: +91-9811065538 • +91-9313068008

Email: amitbharga@gmail.com • nidhibhargava72@gmail.com



KAMA ENGINEERING WORKS

*(Manufacturers of Precision Sheet Metal
Press Components and Tools)*

Office: Cottage # 24, Shipra Sun City, Indirapuram, Ghaziabad (U.P.)

Works: C-64, Sector-VIII, Noida (U.P.) • Phone: 0120-4337821

Mob.: +91-9810033074 • +91-9871709690 • +91-9350805787

Email: anuj.anujbhargava@gmail.com

(Mr. Triloki Nath / Mr. Anuj Bhargava)

*With
Best Compliments
from:*

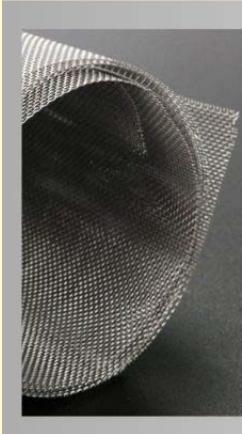
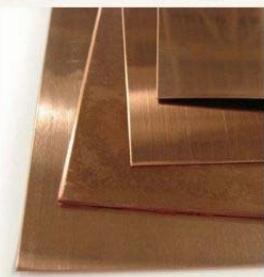


EVEREST METALS

MANUFACTURERS & EXPORTER OF
Industrial Brass, Copper Sheets & Circles
All Kinds of Quality Brass & Copper Utensils.

JHAJJAR ROAD, REWARI - 123401 (HRY.) IND
EVERESTMETALS123@REDIFFMAIL.COM

AVAILABLE ON
amazon



Pansy Industries

MANUFACTURERS & EXPORTER OF:
COPPER/BRASS/STAINLESS STEEL CENTRIFUGAL
LINERS, BRASS CUSH STAINERS, SUPPORTING
LINER, STAINLESS STEEL SCREEN FOR OLIVER & KCP
FILTERS, NICKEL SCREEN AND ALL KIND OF PERFORATED
SHEETS & WIRE NETTINGS

ADD-39, SECTOR-11, REWARI INDUSTRIAL AREA
REWARI-123401(HRY) INDIA

pansyindustries@gmail.com

ANIL BHARGAVA SUNIL BHARGAVA VIJAY BHARGAVA ANKESH BHARGAVA MAYUR BHARGAVA
9812061008 9812037211 9315409415 8397861008 8950149054

With Best Compliments from
KARRAT CHEMICALS (INDIA) PVT. LTD.

(ISO 9001 : 2015)

PLOT No. N-211/2/7, MIDC, TARAPUR, BOISAR-401506 (Maharashtra)
Tel. No.: 8007645500, 8983024326 • E-mail : karratchemicals@hotmail.com

Suppliers of : Ammonia Gas & Liquor Ammonia

OUR SISTER CONCERN(S) :

ANKLESHWAR AMMONIA SUPPLY PVT. LTD.

PLOT NO. 6508, GIDC Indl. Estate, ANKLESHWAR-393002


ANITA TRANSPORT COMPANY


ATHARVA CHARITABLE TRUST


BHARGAVA TRADING COMPANY


DCA FINE CHEM PVT. LTD.

(MONO & DI SODIUM POTASSIUM PHOSPHATE)

KARRAT MULTIGASES & CHEMICALS PVT. LTD.




KARRAT FINE CHEM (I) PVT. LTD.



KARRAT INVESTMENTS & TRADING CO.



KARRAT INFRA LLP



KIDZONE PRE-SCHOOL



VIKAS INDUSTRIES AND CHEMICALS PVT. LTD.
(MFG. BULK DRUGS & INTERMIDIIES)

Late Shri Anil Bhargava Aditya Bhargava Anita Bhargava Dr. Keerti Bhargava
Director Director Director Director
(M) 8007112000 (M) 8390529922 (M) 8007065450

In the loving memory of
Smt. Veerbala Bhargava



You still live in the silences between our thoughts

- **Shri Naresh Chand Bhargava** *Husband*
- **Munish & Punam Bhargava** *Son & Daughter-in-Law*
- **Uttkarsh & Eesha** *Grand Son & Daughter-in-Law*
- **Iksha Bhargava** *Grand Daughter*



With Best Compliments from:

INDUSTRIAL SALES

109/19, Model House, Lucknow



Veerbala Sales

Saubhagyam,

109/19, Model House, Lucknow

Phone No.: 9415408767,

9415343706, 7275777477



On the occasion of 100th Birth Year and In The Ever Loving Memory of



Shri Prahlad Dutt Bhargava, Jodhpur
(01-03-1923 — 03-11-2008)

-: Always Loved and Never Forgotten by :-
Smt. Kusum Bhargava (Wife)

Pramod Bhargava & Shobha Bhargava, Jodhpur (Son & daughter-in-law)

Nipun Bhargava & Somiya Bhargava, Australia
Tushar Bhargava & Ekta Bhargava, Australia
(Grand son & Grand daughter-in-law)

Yug, Aadi (Great Grand son), Aadhyा (Great Grand daughter)

Keeping Your memories alive forever

With Best Compliments from:

- Protech Consultancy Pty Ltd (Australia)
- Northwest Pty Ltd (Australia)
- Bentley College Pty Ltd (Australia)
- GWAY Investments Pty Ltd (Australia)
- Britts College Pty Ltd (Australia)
- Protech Associates Pty Ltd (Australia)
- Datum College Pty Ltd (Australia)
- Penfold College Pty Ltd (Australia)
- GW Real Properties Pty Ltd (Australia)
- Britts Imperial University College (UAE)

Owned and Managed by: Nipun Bhargava (Director)

Ph: +61 (3) 8380 0453, +61 430 777 838, +61 478 746 000

Email: nipun@protechconsultancy.com

Supported By: Tushar Bhargava (Chief Executive Officer)

Ph: +61 (3) 8380 0453, +61 434 424 456 • Email: tushar@nortwest.edu.au

Physical Address:

Level 10, 190 Queen Street Melbourne VIC 3000 Australia

Level 2, 531 George Street, Sydney NSW 2000 Australia

Level 2, 66-68 Grenfell Street, Adelaide SA 5000 Australia

With Best Compliments From



PREMIER PAPER PACKAGING PVT. LTD.

► One Step Solution For All Your Printing Needs. ◄

DIRECTORS

Sanjeev Bhargava

Anuranjan Bhargava



Manufacture and Supply of Paper Board Packaging (Printed Blister Cards, Mono Carton, Liner Carton, Leaflets, Manuals And Corrugated Boxes) And Designing

Our Vision

The company takes pride in understanding its customer exact requirements for blister card design, printing products by understanding their production process and design needs in order to supply. The right product for the right application to support their overall productivity as per application and perfection in quality with time bound delivery in a cost effective manner. We believe in doing team work to convert a Customer into a happy customer.

PREMIER PAPER PACKAGING PVT. LTD. has been in the printing field for over 26 years, and we have earned the loyalty of some of the top Corporate houses in India with our Quality, Timeliness & Customer-Service. We see our selves as a part of our customer's team and add value in various capacities.

► The scope of activities covered by this certificate defined below ◄



I-42,43, Kasna Village, Surajpur Industrial Area Site-V, Greater Noida (U.P.)

Pin Code : 201306 Mob: +91 9910097768, 8588867496, 9891917769

E-mail : sanjeevpremier@gmail.com Website : www.premierpaperpackaging.com

श्रद्धावनत



स्व. डॉ. महेश भार्गव

श्रीमती रजनी (पत्नी)

पूर्व उपाध्यक्ष

अखिल भारतीय भार्गव सभा

डॉ. विवेक एवं डॉ. राजश्री

(पुत्र-पुत्रवधु)

विभोर एवं मनस्वी

(पौत्र-पौत्री)

- NATIONAL PSYCHOLOGICAL CORPORATION, AGRA
- H. P. BHARGAVA PUBLICATION, AGRA
- HAR PRASAD INSTITUTE OF BEHAVIOURAL STUDIES, AGRA
- SAMADHAN KENDRA, AGRA

📞 : +91-9368539552, 91-94571 73567

With Best Compliments From

Sanjay Kumar Bhargava

M. : 9214336338

Mayank Bhargava

M. : 8983101076

SHREE BALAJI ENGINEERS

H. O. : Out Side Ajmeri Gate, Near Ramdwara, Beawar 305901 (Raj.)
 B. O. : S-61,62,76 RIICO Shopping Complex, Beawar 305901 (Raj.)
 Mob. : 092143-36338, 089831-01076, (O) 092148-36338, 01462-226128
 E-mail : sanjaykmbhargava@gmail.com ♦ mayankcancerian@gmail.com

With the Promise of Best Quality

Distributors ◆ Dealers ◆ Liaisoners



Shakti Pulley

JMC JI
VC JMC JM
C JMC



Available Products Catalogue



V-Belts



Grease



Contact Cleaner



Oil & Grease Dispenser



Safety Products



Pollution Control Products



Conveyor Belt



Idler Roller



Wire-net



S.S. Wire-mesh



Test Sieves



Perforated Sheets



Elevator Buckets



Bucket Bolt



Belt Fastners



Belt Fastners



Conveyor Gears



Coupling



Motor Bearings



Ball Mill Bearings



UCP, UCF & UC



Plummer Blocks



Sleeves



Nut & Bolts



Welding Accessories



Pulley



Taper-lock Pulley



Plastic Sutti



Trolley & Trolley Wheels



Hardware Items



Hand Grinder



Compressors & Vibrator Motors

Sister Concerns :

Bhargava Mill Store
 Piplaj & Ranisagar (Beawar)
 Mob. : 94625-83574, 99288-85200

♦ S.K. Trading Company, Beawar
 ♦ Bhargava Machinery Store, Beawar
 ♦ Shree Krishan Incarnation, Beawar

In Everlasting Memory of



Late Shri Shankar Saran ji

(21.09.1921 — 02.03.2007)



Late Smt. Sharda ji

(1.9.1926 — 21.2.2013)



❖ **Late Sh. Shankar Saran ji, B.Sc., L.L.B.** son of Shri Munna Lal ji has served as Rationing Inspector in Govt. Deptt. also served Khatoli Sugar Mills & Shyamli Sugar Mills for the period from 1948 to 1955 and later on from 1964 to 1982 he worked in Shriram Fertilizers & Chemicals Kota and retired from the post of Administrative Manager. In his short life and distinguished career, he was instrumental in helping society to rectify those unspeakable flaws.

❖ **Late Smt. Sharda ji**, daughter of Rai Bahadur Banwari Lal ji of Rewari was also very caring, soft spoken, generous and helpful to everyone and a visionary. In fact she was a great noble lady.

Shri Shankar Saran ji was main Donor of "**SHARDA BHARGAVA BHAWAN KOTA**" (He donated half of land price, towards cost for purchasing of land for the community use). He has established a Nidhi of Rs.35,000/- for Puraskar with the name of "**Smt. Sharda Shankar Saran (Kota) Puraskar (1992)**". Now the Nidhi is of Rs.1.00 Lakh for Puraskar.



Think Lime, Think Sigma.

India's finest Lime Manufacturers

SIGMA
MINERALS
LIMITED



First ISO 9001 and the only ISO 14001 Hydrated Lime & Quick Lime manufacturing company in India.

4, Heavy Industrial Area, Jodhpur - 342003(Raj.), India

info@sigmaminerals.com

+91 291 2740970 | 2741108

Visit us at :- www.sigmaminerals.com

TIRUPATI BALAJI ADVERTISING & MARKETING

WE ARE

BRAND

MARKETERS & CREATORS

- RADIO ELECTRONIC
- PRINT MEDIA
- DIGITAL MEDIA
- CORPORATE EVENTS GIFTS
- SOCIAL MEDIA
- OUTDOOR MEDIA

*HOUSE OF DESIGNING &
PRINTING SOLUTIONS*



Mrs. Manisha Bhargava

Chief Executive Officer
manishab@tbam.co.in

- CALENDAR
- BROCHURE
- FLYERS
- BADGES
- CORPORATE GIFTS
- NEWSLETTER
- DIARY/ ID CARDS
- MEMENTO / TROPHY
- FLEX PRINTING
- SOCIAL MEDIA ADS
- CERTIFICATE PRINTING
- T-SHIRT PRINTING



Mr. Prateek Bhargava

Director
prateekb@tbam.co.in

Dr. Dheeraj K Bhargava

Director
dheerajb@tbam.co.in

9761282880, 9818373200, 9871895198 www.tbam.co.in

Plot No. 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad (U.P.) 201012

In the loving memory of our beloved



Late Smt. Usha Bhargava
(18th February, 1936 – 12th January, 1979)

----Remembered By----

Justice S.N. Bhargava (Husband)
(Former Chief Justice Sikkim High Court
Former Chairman Human Rights Commission Assam & Manipur)

Harish & Shilpi Bhargava (Son & Daughter-in-Law)

Kavita & Rajiv Bhargava (Daughter & Son-in-Law)

Prof. Deepali Bhargava (Daughter)

Roopali & Maj. Gen. Ashok K. Dhingra (Daughter & Son-in-Law)

Sangeeta & Sandeep Bhargava (Daughter & Son-in-Law)

Sakshi-Gaurav, Aditi-Pankaj, Akshay-Kritika, Aarushi-Harsh,
Samin-Anmol, Tanya-Andrew, Ramit, Viraj & Vedant
(Grandchildren & their Spouse)

Shaurya, Mishka & Darsh (Great Grandchildren)

समाज में बढ़ते विवाह संबंध विच्छेद और तलाक : कारण एवं निवारण के उपाय

भार्गव समाज शिक्षित, अग्रणी, संस्कारित एवं बुद्धिजीवी समाज की श्रेणी में माना जाता है। हमारे समाज की अपनी परंपराएँ हैं, संस्कृति है, संस्कार हैं, जिन पर हमें गर्व है। हमारे पूर्वजों से लेकर आज तक की पीढ़ी इनका अनुसरण करती आ रही है। प्राचीन समय की बात करें तो कहा जाता है कि आदम और हवा से ही इस सृष्टि की रचना हुई और धीरे-धीरे विभिन्न समाजों का निर्माण हुआ है। सभ्यताओं के विकसित होने से विवाह जैसी संस्था का गठन हुआ। किसी भी समाज की संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि के लिए विवाह संबंध को अनिवार्यता प्रदान की गई है। फिर अचानक कुछ वर्षों में ऐसा क्या हुआ कि संबंध विच्छेद और तलाक जैसी बातें समाज में उठने लगीं? प्रतियोगिता में सम्मिलित लेखों में कुछ मुद्दे निकलकर आए हैं। अपनी बात को जोड़ते हुए यह समीक्षा प्रेषित है।

दो-तीन दशक पूर्व के हमारे सामाजिक परिवेश पर दृष्टि डालें तो कहा जाता था — ‘बिंध गए सो मोती’ और जीवनपर्यन्त इसका निर्वहन करते हुए पवित्र बंधन में बँधे रहकर अपने परिवार को सुसंस्कारित, सुसंस्कृत और व्यावहारिक बनाने में दंपती अपना जीवन समर्पित कर देते थे। बड़ों की छत्रछाया में पल-बढ़कर बच्चे परिवार का नाम रोशन करते थे। अपवाद को छोड़कर आज भी जहाँ संयुक्त परिवार हैं, वहाँ ये बातें देखने को मिलती हैं। पर समय बदला, विचार बदले, तकनीकी युग में सब कुछ मशीनी होने लगा, संयुक्त परिवारों का स्थान एकाकी परिवारों ने ले लिया। आज परिवारों में माता-पिता की परवरिश में कहीं न कहीं चूक का परिणाम शायद विवाह संबंध विच्छेद और तलाक होना है।

विवाह संबंध विच्छेद और तलाक जैसे शब्द कानों में तीर की भाँति चुभते हैं, जो कि हमारे जैसे शिक्षित और अग्रणी समाज के लिए कदापि उचित ही नहीं अपितु भर्त्सना योग्य हैं। इस विषय पर चिंता और चिंतन दोनों आवश्यक हैं। व्यावहारिक धरातल पर देखें तो जिस परिवार ने, युवक, युवती ने यह पीड़ा झेली हो, वही समझ सकता है कि उसका मन-मस्तिष्क किस तरह विचलित हो जाता है, उसे चारों ओर अँधेरा ही अँधेरा दिखाई देता है। ऐसा लगता है कि कोई घोर अपराध हो गया हो और इससे निकलने की कोई राह ही न सूझ रही हो। यदि हम इस संदर्भ में आज के परिवेश को दोष दें, वह भी ठीक नहीं अथवा परिवार, रिश्तेदार व संबंधित अन्य सदस्यों को दोष दें, तो मेरी दृष्टि में यह भी उचित प्रतीत नहीं होता। फिर कौन है जिम्मेदार जो हमारे परिवारों की मानसिकता को उलटी दिशा में ले जा रहा है अथवा विकृति पैदा कर रहा है? आइए, इस पर चिंता और चिंतन कर कुछ समाधान खोजने का प्रयास करें—

चिंता (कारण):

- शायद विलुप्त होती जा रही हमारी गौरवशाली, अक्षुण्ण, पवित्र संस्कृति, जिसका स्थान भोगवादी संस्कृति ने ले लिया है।
- अति आधुनिकता का दावा व दिखावा करने वाले सदस्यों की मानसिकता इस प्रकार की हो गई है कि उन्हें यह बंधन रास ही नहीं आता है।
- परिवारों में बचपन से ही उचित संस्कार न दिए गए हों अथवा परिवार की अहमियत को सही ढंग से परिभाषित न किया गया हो।
- आज चिंता इस बात की भी है कि हमारा समाज बिखरता जा रहा है। जहाँ परिवार से ज्यादा परिस्थितियाँ जिम्मेदार हैं, क्योंकि आज घर के वरिष्ठों की राय, सुझाव, अनुभव मायने नहीं रखते।
- प्रारम्भ से ही बच्चों में स्वच्छंद प्रवृत्ति पनपने लगती है जिसका परिणाम कभी-कभी इनमें भटकाव की स्थिति ला देता है। जहाँ माता-पिता भी उस युवक-युवती के लिए गौण हो जाते हैं, और उनके लिए एक संबंध को तोड़कर दूसरे संबंध की तरफ बढ़ जाना सामान्य-सी बात हो जाती है, क्योंकि वह उस संबंध के प्रति गंभीर नहीं होते।
- परिवारों के वास्तविक धरातल पर रहकर समझदारी से संबंध तय करने के स्थान पर बाहरी चकाचौंध की मृगतृष्णा में भटकने, वैश्वीकरण से प्रभावित होने, स्वतंत्रता के स्थान पर स्वच्छंदता को ज्यादा अहमियत देने

की प्रवृत्ति ने संबंध विच्छेद और तलाक जैसी विकट परिस्थितियाँ उत्पन्न कर दी हैं।

- युवक-युवतियों पर न चाहते हुए भी संबंध के लिए दबाव डालना, विवाह से पूर्व संबंध के लिए युवाओं से राय न लेना, सामने वाले परिवार के बारे में पूरी सटीक जानकारी या जाँच-पड़ताल न कर जल्दबाजी में संबंध तय कर देना भी विच्छेद जैसी समस्या पैदा कर देता है।
- अंतर्जातीय विवाह में संस्कृति एवं संस्कारों में भिन्नता, वैचारिक मतभेद, मात्र बाह्य आकर्षण या भावनाओं में बहकर लिए गए निर्णय से विवाह के बाद परिवार के सदस्यों एवं अपने जीवनसाथी के साथ ताल-मेल न होना तलाक का कारण बन जाता है।
- पति-पत्नी में आपसी ताल-मेल, सामंजस्य की कमी, एक-दूसरे की मानसिक, आर्थिक एवं जाँब में प्रतिष्ठा में अंतर भी तलाक का कारण हो जाता है।
- परिवारों की आपसी दखलांदाजी, टी.वी., इंटरनेट, मोबाइल का प्रभाव भी कुछ हद तक संबंधों में दरार पैदा करता है।
- पति-पत्नी के बीच किसी तीसरे की उपस्थिति, पति-पत्नी के संबंध में अंतरंगता में कमी या असंतुष्टि भी तलाक की समस्या को जन्म देती है।

चिंतन करें (समाधान):

- प्रारम्भ से ही बच्चों पर ध्यान देकर उचित संस्कारों का बीजारोपण करें, उनके साथ संवाद बनाए रखें, अनुचित बातों पर गौर करके समझदारी से काम लें।
- वास्तविक धरातल पर रहने की आदत डालें।
- घर में बड़े-बुजुर्गों के उचित सम्मान के लिए उपयुक्त वातावरण बनाएँ।
- परिवार, युवक और युवती के बारे में जाँच-पड़ताल के बाद ही इनकी सहमति से संबंध तय करें। इनकी स्पष्ट राय जानने के बाद ही हाँ करें।
- विवाह पूर्व युवक व युवतियों की यथासम्भव काउंसिलिंग हो ताकि आगे जीवन में आने वाली दिक्कतों को समझ सकें।
- संबंध तय करने से पूर्व युवक व युवती को एक-दूसरे के स्वभाव, पसंद-नापसंद, आर्थिक स्थिति की जानकारी होने से इस समस्या को काफी हद तक दूर किया जा सकता है।
- नए परिवेश में नवविवाहिता को नए परिवार को समझने में वक्त लगता है, अतः मीन-मेख निकालने के स्थान पर उसे सहयोग करें व सकारात्मक रुख अपनाने से उसे भी अपनापन लगेगा और वह मन से नए घर को अपना सकेगी।
- पति-पत्नी में आपसी दृढ़ विश्वास, सकारात्मक सहयोग, मुस्कराहट, समझदारी और एक-दूसरे का सम्मान और आपसी संवाद सुदृढ़ परिवार की नींव होती है। अतः खुले मन से आपस में चर्चा करें व समाधान ढूँढें।
- पति-पत्नी के बीच ईंगों का कोई स्थान न हो, धन की अहमियत या उच्च पद को पारिवारिक रिश्तों में शामिल न करने से मधुरता बनी रहती है।
- अपने रिश्ते को सुदृढ़ करने के लिए छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करना, गलतफहमी तुरंत दूर करना, अपनी बात को जबरदस्ती न थोपना, शादी से पूर्व यदि किसी के साथ दोस्ती या प्रेम करने जैसी बात हो तो स्पष्ट बता देने से आपसी विश्वास बढ़ता है।

अंततः जीवन में अपने इस अति महत्वपूर्ण रिश्ते को खुशहाल बनाने में परिवार को इन बातों पर गौर करना होगा। हर संभव यह कोशिश करने की आवश्यकता है कि जो संबंध बनने वाले हैं या बन गए हैं, वे सच की बुनियाद पर खड़े हों, सब कुछ सोच-समझकर निर्णय लें ताकि बाद में पछताना न पड़े और इन रिश्तों में मधुरता व आदर्श स्थिति बनी रहे।

— डॉ. राजकुमारी भार्गव, उदयपुर

जातीय समाचार

समाचारों के साथ परिवार के मुखिया एवं भेजने वाले का नाम, पता, मोबाइल नंबर भी भेजें। उत्तम हो, समाचार एवं सम्बन्धित फोटो ईमेल abbsbhargavapatrika@gmail.com पर भेजें। - सम्पादक

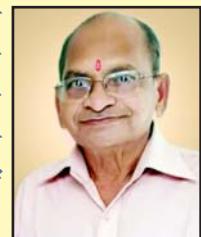
विशेष उपलब्धि

जयपुर: डॉ. गौरांगी भार्गव, पुत्री (डॉ. संगीता - डॉ. पुनीत, ग्रैंड डॉ. स्नेह - डॉ. बीके भार्गव) ने नवम्बर 2024 में जयपुर के 'जरपुर डेंटल कॉलेज' में आयोजित अपनी बीडीएस फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने कुल मिलाकर 76% अंक प्राप्त किये और पाँच विषयों में विशिष्टता प्राप्त की। कॉलेज में उनकी साँस्कृतिक गतिविधियों के लिए उन्हें वर्ष का स्टार चुना गया। संयोग से, हाल ही में लखनऊ में आयोजित 133वें अखिल भारतीय भार्गव सभा सम्मेलन में अखिल भारतीय नृत्य प्रतियोगिता में भी वह दूसरे स्थान पर रहीं। संपर्क-डॉ. बीके भार्गव, (मो.: 9414269602)। प्रेषक: पुनीत भार्गव, जयपुर।



निधन

उज्जैन: प्रियांश एवं प्रतीक के पिताजी एवं श्रीमती मीना भार्गव के पति **श्री राजेश भार्गव** का दिनांक 18-12-2024 को आकस्मिक निधन हो गया है। इंदौर भार्गव सभा हार्दिक संवेदनाएँ प्रकट करती है। उनके छोटे पुत्र श्री प्रतीक भार्गव गत कुछ वर्षों से इंदौर में निवास कर रहे हैं।



शोकाकुल: प्रियांश-श्वेता एवं प्रतीक-सोनल (पुत्र-पुत्रवधू), जक्ष, पूर्वांश एवं काव्या (Grand children) तथा समस्त परिवार। संपर्क: 16, भार्गव काम्प्लेक्स वराहमीहीर मार्ग, फ्रीगंज उज्जैन, (मो.: 9826800688, 9827560643)। प्रेषक: प्रदीप भार्गव, इंदौर।

लखनऊ: श्री ऐश्वर्य भार्गव, पुत्र श्री संजीव एवं श्रीमती अंजू भार्गव (राजेन्द्र नगर) का अल्पायु में आकस्मिक निधन दिनांक 24 दिसंबर, 2024 को हो गया है। लखनऊ भार्गव सभा की ओर से शोक प्रकट किया गया एवं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

लखनऊ: श्रीमती मंजू भार्गव, धर्मपत्नी डॉ. ज्ञानेश भार्गव निवासी नवल किशोर रोड, हजरतगंज का निधन दिनांक 16 दिसंबर, 2024 को हो गया है। लखनऊ भार्गव सभा की ओर से शोक प्रकट किया गया एवं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।



Lucknow: Arvind Mohan dean of Lucknow University and worked as consultant to world bank, felicitated **Shaifali Bhargava** as best baker in Lucknow connection world-wide group of 70000/ plus members on 19th January in Lucknow.



Shaifali Bhargava,
Lucknow, (Mob.:
9935021111).
Recd. from: Sh.
Kapil Bhargava,
Alwar.

भार्गव पत्रिका]

लखनऊः श्रीमती कुसुम भार्गव, पत्नी स्व. श्री चन्द्र मोहन भार्गव निवासी नरही का निधन दिनांक 5 दिसंबर, 2024 को हो गया है। लखनऊ भार्गव सभा की ओर से शोक सन्देश एवं श्रद्धांजलि पत्र भेजा गया।



लखनऊः श्री हृदयनाथ भार्गव निवासी गोमती नगर का निधन दिनांक 19 नवंबर, 2024 को हो गया है। लखनऊ भार्गव सभा की ओर से शोक प्रकट किया गया

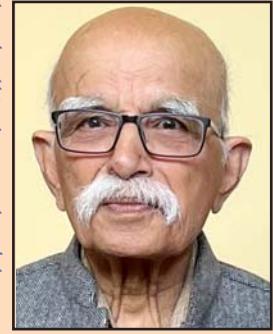


एवं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। उक्त चारों समाचारों की प्रेषिका कुमारी चित्रा भार्गव, सचिव-लखनऊ भार्गव सभा (मो.: 9415007853)।

कानपुरः सुधीर भार्गव (जॉली) श्याम नगर, कानपुर का आकस्मिक निधन 13-01-2025 को हो गया है। शोकाकुलः श्रीमती विभा भार्गव (धर्म पत्नी), गौरव-रितिका (पुत्र-पुत्रवधू), श्रद्धा-आदित्य (पुत्री-दामाद), मिशिका (नातिन)। (संपर्कः 9838547104)। प्रेषकः राजीव भार्गव, कानपुर।

श्रद्धांजलि

दिल्लीः श्री ध्रुव भार्गव (18-02-1935 से 09-01-2025) का जन्म स्वर्गीय राधा रमन जी एवं माता स्वर्गीय कमलावती के यहाँ हुआ था। आपने बी ऐसी 'अलीगढ़ यूनिवर्सिटी' से की। पहली नौकरी लोक सभा सेक्रेटाइट में प्रूफ रीडर के तौर पर की, उसके बाद कई वर्ष कैक्स्टन प्रेस में सेवाएँ दीं, आपने नेशनल बुक ट्रस्ट में भी कई वर्ष सेवाएँ दीं, आप नेशनल बुक ट्रस्ट की तरफ से 1963 में जापान टोक्यो भी गए।



आपका विवाह देहरादून निवासी स्वर्गीय तुलसीराम जी की पुत्री - स्वर्गीय सुधा जी से हुआ। आपके दो पुत्र हैं, मारुत और पुनीत। ये दोनों अपने परिवार सहित अमेरिका में रहते हैं।

आपके बड़े भाई स्वर्गीय रवि शंकर जी (दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान) और भाभी स्वर्गीय सरला भार्गव (दिल्ली महिला भार्गव सभा की प्रधान) भी रहीं। आपके छोटे भाई प्रेम नाथ भार्गव हिंदुस्तान टाइम्स से रिटायर हो कर मयूर विहार दिल्ली में ही रहते हैं।

प्रेषकः सुमित्रा-वासुदेव परिवार, मो.: 9899895534, 9811569260

इंसान की आधी खूबसूरती उसकी जुबान में होती है ...

कौवे की काँच-काँच किसी को भी अच्छी नहीं लगती लेकिन
कोयल भी चाहे काली होती है मगर उसकी कूक सबको सुहाती है
उसी प्रकार चाहे मनुष्य तन से सुंदर न हो परन्तु उसकी बोली में मिठास
(यानी बड़ों को यथोचित आदर व छोटों को प्यार से मधुर-भाष्य करने का गुण) है
तो वह सर्वप्रिय हो जाता है।

हमारी स्थानीय सभाएँ

- स्थानीय सभाओं की बैठकों का विवरण संक्षिप्त, 200 शब्दों में, होना चाहिए।
- सभी प्रकाशन सामग्री सभा कार्यालय में प्रत्येक माह की 15 तारीख से पूर्व मिल जानी चाहिये।
- भार्गव पत्रिका हेतु सामग्री ईमेल <abbsbhargavapatrika@gmail.com> पर ही भेजें।

भोपाल: मासिक बैठक; 29-12-2024 (रविवार); स्थान: निवास श्री हिरदेश जी 'फार्म हाउस'; उपस्थिति: 22

भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा व ईश वंदना के साथ बैठक की शुरुआत की गई।

बैठक में 'अध्यक्ष' श्री सुनील जी द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया और सभी सदस्यों को भोपाल भार्गव सभा के लिए जमीन खरीदने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गयी, जिसके बाद सभी सदस्यों ने जमीन का निरीक्षण किया और सभा के लिए जमीन खरीदने की स्वीकृति प्रदान की। यह प्लाट लगभग 11 हजार Square feet का है। आगे सदस्यों की राय के अनुसार भोपाल भार्गव सभा के सभी सदस्यों की एक आम बैठक बुलाकर सभी की आम राय से उचित निर्णय लेने का भी प्रस्ताव पारित किया गया।

इसके बाद सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री पं. राजकिशोर जी का मध्य प्रदेश शासन के महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ संस्थान ने वर्ष 2022-23 में सीनियर फैलोशिप एक वर्ष के शोध कार्य करने के लिए फैलोशिप राशि 4,80,000/- रुपये प्रदान की गई। उस सम्बन्ध में भोपाल भार्गव सभा द्वारा आज उनका सम्मान किया गया। उन्हें इस अवसर पर 'अध्यक्ष' श्री सुनील जी द्वारा एक शॉल एवं फूलमाला पहनाकर सम्मान किया गया। इसके बाद सभा राष्ट्रगान के साथ समाप्त की गयी।

अंत में सचिव विनोद जी द्वारा आज की सभा प्रायोजित करने एवं स्वादिष्ट भोजन के लिए भोपाल भार्गव सभा की ओर से श्री हिरदेश जी को धन्यवाद दिया गया और अंत में श्री हिरदेश जी द्वारा आयोजित दोपहर के भोजन का सभी सदस्यों द्वारा आनंद लिया गया।

— विनोद भार्गव, (सचिव), <bhargava_vinod01@yahoo.co.in>
(भोपाल भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 07-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

रेवाड़ी: अखिल भारतीय भार्गव सभा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत

रेवाड़ी भार्गव सभा द्वारा लखनऊ में संपन्न हुए अधिवेशन में चुनाव सत्र 2025-2027 में जीत हासिल करके आये ऑल इंडिया के विभिन्न शहरों से निर्वाचित प्रधान, उप प्रधान, प्रधान सचिव व कार्यकारणी सदस्य को रेवाड़ी भार्गव सभा द्वारा सम्मानित किया गया। रेवाड़ी भार्गव सभा के प्रधान श्री विकेश भार्गव ने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि रेवाड़ी भार्गव सभा को यह सम्मान करने का मौका मिला। भार्गव पत्रिका]



हमारी स्थानीय सभाएँ

विभिन्न शहरों से आये सभी ने अपना-अपना मत रखा। 'नवनिर्वाचित प्रधान' श्री अनिल जी ने कहा कि वो भी भाग्य समाज के लिए जो भी कार्य होंगे वो उन्हें उनकी टीम के साथ उस कार्य को भली भाँति करेंगे। किसी के साथ भी भेदभाव की भावना नहीं होगी, वो समाज के हित के लिए कार्य करेंगे। रेवाड़ी भाग्य सभा के अध्यक्ष-श्री विकेश जी, सचिव-श्री चिराग जी, खजांची-श्री मुकेश जी और रेवाड़ी भाग्य सभा की कार्यकारिणी सदस्यों, रेवाड़ी भाग्य युवा संघ के अध्यक्ष-श्री सौरभ जी और उनके पदाधिकारियों सचिव-प्रतीक जी, खजांची देवांग जी एवं 'नवनिर्वाचित प्रधान' अखिल भारतीय भाग्य सभा श्री अनिल भाग्य ने सभी का जोरदार स्वागत किया।

नई कार्यकारिणी अखिल भारतीय भाग्य सभा में नए निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों में श्री सुनीत जी, श्री दीपेश जी व श्री अक्षत जी ने अपनी जगह बनाई। इनका भी रेवाड़ी भाग्य सभा द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर हमारे बीच ऑल इंडिया भाग्य युवा संघ के खजांची श्री सुमित जी भी मौजूद रहे, उन्होंने सभी का स्वागत किया।

रेवाड़ी भाग्य सभा का मंच संचालन श्रीमती रजनी जी एवं श्रीमती सुमित्रा जी ने बढ़े ही शायरी अंदाज में किया। रेवाड़ी भाग्य सभा

द्वारा आये हुये शहरों से माननीय सदस्यों को जोरदार स्वागत किया गया। सभी माननीय सदस्यों को तिलक-चावल लगाकर उनका स्वागत श्रीमती स्तुति जी व श्रीमती आकृति जी द्वारा किया गया। सभी माननीय सदस्यों ने एक-दूसरे को अंग्रेजी नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। रेवाड़ी भाग्य सभा के सचिव-श्री चिराग जी ने भी सभी के रेवाड़ी आगमन पर हार्दिक आभार दिया और सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

अंत में सभी के लिए रेवाड़ी भाग्य सभा द्वारा स्वादिष्ट लंच की व्यस्था करी गई। सभी ने लंच की बहुत तारीफ की।

सभी माननीय सदस्यों, जो आये थे उन्होंने रेवाड़ी भाग्य सभा का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

— चिराग भाग्य, (सचिव), मो.: 9416287807 <abbs.cst@gmail.com>

(रेवाड़ी भाग्य सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 13-01-2025 को प्राप्त हुई है।)



द्वारा आये हुये शहरों से माननीय सदस्यों को जोरदार स्वागत किया गया। सभी माननीय सदस्यों को तिलक-चावल लगाकर उनका स्वागत श्रीमती स्तुति जी व श्रीमती आकृति जी द्वारा किया गया। सभी माननीय सदस्यों ने एक-दूसरे को अंग्रेजी नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। रेवाड़ी भाग्य सभा के सचिव-श्री चिराग जी ने भी सभी के रेवाड़ी आगमन पर हार्दिक आभार दिया और सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

अंत में सभी के लिए रेवाड़ी भाग्य सभा द्वारा स्वादिष्ट लंच की व्यस्था करी गई। सभी ने लंच की बहुत तारीफ की।

सभी माननीय सदस्यों, जो आये थे उन्होंने रेवाड़ी भाग्य सभा का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

— चिराग भाग्य, (सचिव), मो.: 9416287807 <abbs.cst@gmail.com>

(रेवाड़ी भाग्य सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 13-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

हमारी स्थानीय सभाएँ

झाँसी: चुनाव एवं मासिक बैठक; 05-01-2025 (रविवार); स्थान: निवास श्री राकेश जी, 716, चमन गंज सीपरी बाजार; अध्यक्षता: श्री सुनील कुमार जी; उपस्थिति: 37 वयस्क + बच्चे

बैठक में निम्न कार्यक्रम हुए:-

1. इश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।
2. सचिव सन्तोष कुमार जी द्वारा पिछली बैठक की कार्यवाही को पढ़कर सुनाया गया जिसकी सभी सदस्यों के द्वारा पुष्टि की गई।
3. अध्यक्ष के द्वारा वाराणसी से आए हुए अखिल भारतीय भार्गव सभा के कार्यकारिणी सदस्य श्री राजेश जी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया, जिनकी देखरेख में सर्वसम्मति से निम्न पदों पर चुनाव सम्पन्न हुआ -
(अध्यक्ष): श्री सुनील कुमार भार्गव, (उपाध्यक्ष): श्री सुमित भार्गव, (सचिव): श्री सन्तोष कुमार भार्गव, (कोषाध्यक्ष): श्री प्रवीण भार्गव, (सांस्कृतिक सचिव): श्रीमती नीता एवं श्रीमती प्रीति भार्गव, (कार्यकारिणी सदस्य): श्री राकेश भार्गव, श्री प्रदीप भार्गव, श्री अभिषेक भार्गव को चुना गया।
4. श्री सन्तोष कुमार भार्गव (सचिव) को अखिल भारतीय भार्गव सभा के सत्र 2025-27 के लिए झाँसी भार्गव सभा से मनोनीत किया गया।
5. चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात श्री राकेश भार्गव के द्वारा तंबोला खिलाया गया। जिसमें सबने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं झाँसी भार्गव सभा के कोष में 200/- रुपये जमा किए गए।
6. श्री राकेश भार्गव के द्वारा प्रबंधित गरमा गरम भोजन का सभी ने आनंद उठाया।
7. इस आयोजन के लिए (सचिव) श्री सन्तोष कुमार भार्गव ने श्री राकेश जी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम अगली सभा तक के लिए स्थगित किया गया।

241, सिविल लाइन्स, झाँसी-284001

मो.: 9415060024, <sk5347392@gmail.com>

(झाँसी भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 13-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

सन्तोष कुमार भार्गव
सचिव

कानपुर: कानपुर भार्गव सभा, भार्गव महिला सभा एवं भार्गव युवा संघ के सदस्यों द्वारा तीन दिवसीय 'कंबल वितरण'; स्थान: भैरों घाट

इसमें सभी सहयोग करने वाले दानदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही कानपुर भार्गव सभा के 'उपाध्यक्ष' श्री विशाल जी, 'कार्यकारिणी सदस्य' श्री विक्रम जी, 'अध्यक्ष' श्री स्वतंत्र जी, 'सचिव' श्री अजय जी, 'सह सचिव' श्री राजेश जी एवं उनकी टीम को, कानपुर भार्गव महिला सभा की 'अध्यक्षा' श्रीमती अर्चना जी, 'सचिव' श्रीमती तनु जी एवं उनकी टीम को धन्यवाद।



हमारी स्थानीय सभाएँ

मैं पराग जी, हर्ष जी, अमित जी (फूलबाग), अमित जी (आनंदपुरी), विकास जी (गोविंद नगर), संजीव जी (किदवई नगर), सर्वेश जी, राम जी, नवीन भाई, दीपाली जी, रिंकू जी, अनीता जी, वंदना जी, अनुश्री जी, रुचिता जी, जीवन साथी रश्मि जी आदि का तहे दिल से धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मेरे इस अभियान में मेरा सहयोग किया।

भूलवश किन्हीं सदस्य का नाम रह गया हो तो क्षमा चाहता हूँ।

“विशेष आभार”:- मा. आरुष एवं कु. आध्या (पुत्र-पुत्री श्री संजीव जी, किदवई नगर), कु. अक्षरा (पुत्री श्री राजेश जी, हटिया), मा. अक्षत (पुत्र श्री मुकेश जी, हटिया) का जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ हम सबका भरपूर सहयोग किया। मैं अपने सभी सदस्यों की तरफ से इन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ और आगे भी इसी तरह ये बच्चे अपनी कार्य शैली से हमारे समाज को अपनी नई सोच से नई दिशा एवं ऊंचाइयाँ प्रदान करेंगे।

— राजीव भार्गव, (सचिव), <rajeev.bhargava.007@gmail.com>

(कानपुर भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 15-01-2025 को प्राप्त हुई है।)



लखनऊ: कार्यकारिणी बैठक; 06-01-2025 (सोमवार), सायं 6.30 बजे से; स्थान: होटल शिमला पैलेस, गौतम बुद्ध मार्ग; संरक्षकता: श्री सुनील भार्गव जी (सी.ए.); अध्यक्षता: श्री विवेक जी (मध्य से); उपस्थिति: 22

1. सभा का प्रारम्भ ईश वंदना से किया गया।
2. तत्पश्चात् सचिव द्वारा पिछली सभा से इस सभा के मध्य समाज के 4 सदस्य जो हमारे बीच नहीं रहे श्री हृदय नाथ भार्गव जी (निवासी गोमती नगर), श्रीमती कुसुम भार्गव (निवासी नरही), श्रीमती मंजू भार्गव (निवासी नवल किशोर रोड, हजरतगंज), श्री ऐश्वर्य भार्गव (निवासी राजेन्द्र नगर), इन सबकी आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की गयी फिर 2 मिनट के लिए सभा स्थगित करके पुनः प्रारम्भ की गयी।
3. तदोपरांत सचिव महोदया द्वारा पिछली सभा की रिपोर्ट पढ़ी गयी, जिसका सभी ने अनुमोदन किया।
4. इसके उपरांत कार्यकारिणी के समक्ष संरक्षक जी ने अध्यक्ष श्री विवेक जी का इस्तीफा पढ़कर सुनाया व कार्यकारिणी का सुझाव माँगा। सभी सदस्यों ने



हमारी स्थानीय सभाएँ

श्री विवेक जी द्वारा दिया गया इस्तीफा अस्वीकार कर दिया और निवेदन किया कि श्री विवेक जी 31-03-2025 तक अपना कार्यकाल पूर्ण करें तथा जिस कारण से इस्तीफा दिया उसके लिए वह जिम्मेदार नहीं हैं। अतः कार्यकारिणी के आग्रह को स्वीकार करते हुए श्री विवेक जी ने इस्तीफा वापस ले लिया व सभा की आगे की कार्यवाही उनकी अध्यक्षता में प्रारम्भ हुई।

5. इसके बाद अखिल भारतीय भार्गव सभा के सत्र 2025-27 के चुनाव में लखनऊ के 5 विजयी लोगों में उपस्थित श्री गिरीश जी उपाध्यक्ष व श्रीमती तूलिका जी कार्यकारिणी सदस्य को श्री सुनील जी, श्री विवेक जी व कु. चित्रा द्वारा बुके प्रदान कर सम्मानित किया गया।
6. तदोपरांत लखनऊ भार्गव सभा के सत्र 2025-27 के आगामी चुनाव हेतु दिनांक 23-02-2025 तिथि निर्धारित की गयी व चुनाव अधिकारी बहुमत से श्री श्रीकांत भार्गव जी को चुना गया।
7. इसके उपरांत दिनांक 22 दिसंबर, 2024 की रात सांस्कृतिक प्रतियोगिता के परिणाम घोषणा के दौरान जजों के साथ जयपुर के कुछ सदस्यों द्वारा की गयी अभद्रता के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु अखिल भारतीय भार्गव सभा के प्रधान व प्रधान सचिव के नाम लखनऊ भार्गव सभा द्वारा एक पत्र बनाया गया जिसमें उपस्थित सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने अपना नाम, मोबाइल नम्बर लिखते हुए हस्ताक्षर किये।

तत्पश्चात् गत अधिवेशन के मुख्य संयोजक श्री गिरीश जी द्वारा सभी समिति के संयोजकों व सह-संयोजकों को अधिवेशन की ऐतिहासिक सफलता हेतु बधाइयाँ दीं गईं व सभी के द्वारा जिम्मेदारी से अपना-अपना कार्य संभालने हेतु आभार प्रकट किया और धन्यवाद दिया।

अंत में राष्ट्रीयगान गया गया व सभा की समाप्ति हुई। सबने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

— कुमारी चित्रा भार्गव, सचिव, बी.सी.सी. श्री साईधाम अपार्टमेंट,
फ्लैट नं. 402, निशातगंज, लखनऊ-226006, मो.: 9415007853

(लखनऊ भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 17-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

बैतूल: राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनने पर श्री मयंक जी को भार्गव समाज ने किया सम्मानित; स्थान: ए बी रेस्टोरेंट, बैतूल

भार्गव समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन गत दिनों उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ था।

अधिवेशन में अखिल भारतीय भार्गव सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए निर्वाचन भी किया गया था, जिसमें दो वर्ष के लिए नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। कार्यकारिणी में भार्गव सभा बैतूल के वरिष्ठ सदस्य श्री मयंक भार्गव राष्ट्रीय कार्यकारिणी

सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। इस अवसर पर भार्गव समाज बैतूल ने एक कार्यक्रम में श्री मयंक भार्गव का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया।

समाज के वरिष्ठ सदस्य गोपाल-कविता भार्गव द्वारा आयोजित बैठक में यह सम्मान दिया गया। इसके



हमारी स्थानीय सभाएँ

बाद स्नेह भोज भी सभी ने किया। इस बैठक में समाज के अध्यक्ष दीपक, सचिव सुधीर, कोषाध्यक्ष चेतन, वरिष्ठ सदस्य शैलेंद्र नाथ, गोपाल, अनिल, मनोज, निधीश, राजेश, मयूर, आशु, महिला सभा से सुमन, दीपा, लता, दीपि, मीरा, स्वाति, अर्चना, रेणु, श्वेता, प्राची, मेघा, प्रगति सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

— दीपक भार्गव, अध्यक्ष-बैतूल भार्गव सभा, <deepak.bhargava1961@gmail.com> (बैतूल भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 15-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

गाजियाबाद: गाजियाबाद भार्गव समाज समिति द्वारा खिचड़ी भोज और गर्म कपड़ों का वितरण; 14-01-2025 (मंगलवार); स्थान: प्लॉट नं. 516, सेक्टर-12, वसुन्धरा; अध्यक्षता: डॉ. धीरज कुमार जी (अध्यक्ष)

मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में जनपद में सामाजिक संस्थाओं ने जगह-जगह खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही गरीबों और असहायों को गर्म कपड़ों का वितरण भी किया गया। इस कड़ी में गाजियाबाद भार्गव समाज समिति द्वारा वसुन्धरा सेक्टर-12 में खिचड़ी भोज और गर्म कपड़े वितरण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गाजियाबाद भार्गव समाज समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. धीरज कुमार भार्गव ने बताया कि वसुन्धरा सेक्टर-12 स्थित 'परमानंद वाटीका' में मकर संक्रांति पर्व का भव्य आयोजन किया गया है। इस दौरान खिचड़ी भोज के आयोजन के साथ असहाय व गरीबों को गर्म कपड़े वितरित किये गये।

गाजियाबाद भार्गव समाज समिति के संजय भार्गव अधिवक्ता ने बताया कि भार्गव समाज समिति निरंतर समाज के उत्थान और जनकल्याण के लिए कार्य करती आ रही है। इस क्रम में आज समिति द्वारा मकर संक्रांति पर्व पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया, साथ ही साथ असहाय व गरीबों को ठंड के मौसम से बचने के लिए गर्म कपड़े वितरित किये गये। उन्होंने कहा कि गरीब, असहाय लोगों की मदद आगे भी जारी रहेगी।

इस दौरान अमरनाथ (इंदिरापुरम), अभिषेक (इंदिरापुरम), आलोक (कवि नगर), अनिल (कवि नगर), अतुल (वसुन्धरा), मनीष (नेहरू नगर), मुनेश्वर नाथ (नेहरू नगर), नीरज (गाजियाबाद), पीयूष (नेहरू नगर), प्रदीप (कवि नगर), राहुल (गाजियाबाद), राहुल (वैशाली), राजीव सी.ए. (कवि नगर), राजीव (नेहरू नगर), रुचिर (लैंडक्राफ्ट), संजय (वैशाली), संजीव (नेहरू नगर), सुमित (लैंडक्राफ्ट), विनय (दिल्ली गेट) सहित गाजियाबाद भार्गव समाज समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

H.No.516, Sector 12, Friends Co-operative Society Vasundhara, Ghaziabad-201012

(गाजियाबाद भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 18-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

President



हमारी महिला सभाएँ

मुलताईः साधारण बैठक; 18-01-2025 (शनिवार); सायं 4.00 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती प्राची मुकेश जी

सभा की शुरूआत श्रीमति कल्पना जी की अध्यक्षता में ईश वंदना के साथ की गई। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में सभी ने एक-दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर बधाई दी। प्राची जी द्वारा सुंदर गेम खिलाया गया। जिसमें 'प्रथम' श्रीमति नीरजा जी एवं 'द्वितीय' श्रीमति ऋचा रही। सभी ने तालियों से उन्हें प्रोत्साहित किया। तत्पश्चात् अध्यक्षा जी की अनुमति से आगामी भार्गव महिला सभा चुनाव की तिथि की घोषणा की गई।



प्राची जी द्वारा स्वादिष्ट जलपान जिसमें अधिकतर तिल से बने कई पकवान का सभी ने खूब आनंद लिया और साथ ही उन्हें सभी ने धन्यवाद दिया।

आगामी मासिक बैठक की तारीख निश्चित करके सभा का समापन किया गया।

— मीना भार्गव, (सचिव), <meenabhargava08@gmail.com>

(मुलताई भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 20-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

उज्जैन: पिकनिक का आयोजन; 07-01-2025 (मंगलवार); दोपहर 1.30 बजे से; स्थान: होटल सुराणा डेलीकेसी, अध्यक्षता: श्रीमती नीरा जी

इस अवसर पर श्रीमती पायल जी द्वारा कार्ड गेम खिलाया गया जिसमें श्रीमती प्रीती जी (विजेता) तथा श्रीमती मधु जी (उपविजेता) रहीं। चेयर रेस श्रीमती जया जी द्वारा खिलाया गया जिसमें श्रीमती नीरा जी (विजेता) तथा श्रीमती पूनम जी (उपविजेता) रहीं। वहाँ पर श्रीमती ममता जी, श्रीमती चारू जी, श्रीमती संगीता जी, श्रीमती बिंदु जी, श्रीमती मीनू जी आदि उपस्थित थे।



— जया भार्गव, (सचिव), मो.: 9425917609, <sandeepujn@gmail.com>

(उज्जैन भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 20-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

दिल्ली: कार्यकारिणी बैठक; 12-12-2024 (शुक्रवार); सायं 3.00 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती बीना जी 'सफदरजंग'; अध्यक्षता: श्रीमती मनी जी (प्रधान); उपस्थिति: 21; समयबद्धता पुरस्कार: श्रीमती कीर्ति जी (रोहिणी)

सर्वप्रथम सदस्यों को तबोला खिलाया गया। ईश वंदना और 108 नाम का माला का उच्चारण सदस्यों द्वारा किया गया। श्रीमती कुसुम जी (सरिता विहार) को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा 5 मिनट के लिए स्थगित की गई। 'सचिव' श्रीमती नीता जी द्वारा गत माह की बैठक की कार्यवाही की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई गई, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। 'प्रधान' श्रीमती मनी जी ने सभा को भार्गव पत्रिका]

हमारी महिला सभाएँ

बताया कि 16 जनवरी, 2025 को सत्संग भवन में कला प्रदर्शनी (प्रतियोगिता) का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 5 वर्गों में विभाजित है। पाँच प्रविष्टियाँ आने पर ही प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। निर्णायक महोदय का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा। जो भी बहनें इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती है, वह दोपहर 2.00 बजे प्रतियोगिता स्थल पर पहुँच जाए। विस्तृत जानकारी आपको दर्शका के माध्यम से प्राप्त हो जाएगी। Millets से बनी व्यंजन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। यह प्रतियोगिता दो वर्गों में विभाजित थी। “नमकीन व्यंजन” तथा “मीठे व्यंजन”। ‘भूतपूर्व प्रधान’ श्रीमती नीरा जी एवं श्रीमती रश्म जी को निर्णायक बनाया गया था। “मीठे व्यंजन” प्रतियोगिता में - ‘प्रथम’ श्रीमती संगीता जी एवं ‘द्वितीय’ श्रीमती बीना जी रहीं। “नमकीन व्यंजन” प्रतियोगिता में - ‘प्रथम’ श्रीमती बीना जी तथा ‘द्वितीय’ श्रीमती कीर्ति जी (रेहिणी) रहीं। अन्य प्रतियोगी श्रीमती नीरु जी तथा श्रीमती कीर्ति जी (पुरानी दिल्ली) थी। सभी विजेताओं को सभा की ओर से हार्दिक बधाई एवं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ प्रसिद्ध किया गया। सभा की ओर से निर्णायक महोदय श्रीमती नीरा जी एवं श्रीमती रश्म जी को धन्यवाद दिया गया। सभी विजेताओं को सभा की ओर से पुरस्कृत किया गया। जिन सदस्यों का जन्मदिन दिसंबर माह में आता है उनको सभा की ओर से उपहार दिया गया। शांति पाठ के साथ बैठक का समापन किया गया। स्वादिष्ट जलपान के लिए श्रीमती बीना जी एवं श्रीमती श्वेता जी को धन्यवाद दिया गया।

बी-53, राधाकृष्णा लेन, कौशांबी, गाजियाबाद,
मो.: 9910288633, <akashcards1@gmail.com>

नीता भार्गव
सचिव

(दिल्ली भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 07-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

आगरा: (1) साधारण बैठक; 29-11-2024 (शुक्रवार); दोपहर 3.00 बजे से; स्थान: डेंटिस्ट स्टूडियो जयपुर हाउस; अध्यक्षता: श्रीमती अल्पा जी; संयोजक: श्रीमती अनीता जी व श्रीमती वंदना जी; उपस्थिति: 22; समयबद्धता पुरस्कार: श्रीमती मीनू जी

सभा की शुरुआत ईश प्रार्थना से की गई। तत्पश्चात् अध्यक्षा जी द्वारा सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात् ‘पूर्व अध्यक्षा’ श्रीमती विनोद भार्गव जी के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की गई और सभा को 5 मिनट के लिए स्थगित किया गया।

सभा को पुनः प्रारंभ करते हुए संगीता जी द्वारा गत बैठक की रिपोर्ट पढ़ी गई और सभा को यह भी अवगत कराया कि स्थानीय भार्गव महिला सभा की प्रत्येक माह की रिपोर्ट के रजिस्टर की डुप्लीकेट फाइल ग्लोबल भार्गव महिला सभा (रजिस्टर्ड) तदर्थ समिति की अध्यक्षा श्रीमती डॉ. रेनू जी को

भेजी गई। ग्लोबल भार्गव महिला सभा (रजिस्टर्ड) समिति के द्वारा प्राप्त पत्र पढ़ा गया जिसमें ऑल इंडिया भार्गव सभा में होने वाली प्रतियोगिता के बारे में बताया। ‘अध्यक्षा’ श्रीमती अल्पा जी द्वारा महिला सभा के चुनाव के लिए श्रीमती अंशु भार्गव को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। डॉ. अभिषेक भार्गव को पटका भार्गव पत्रिका]



हमारी महिला सभाएँ

पहनाकर व गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया और डॉ. अभिषेक जी द्वारा दाँतों की सुरक्षा, रख-रखाव एवं दाँतों की साफ-सफाई किस प्रकार की जाती है उसकी संपूर्ण जानकारी से सभा को अवगत कराया। श्रीमती मीनू जी व श्रीमती कविता जी ने अपनी शादी की सालगिरह के उपलक्ष में तबोला खिलाया। श्रीमती अनीता जी व श्रीमती वंदना जी ने एक गेम खिलाया। अंत में सचिव द्वारा श्रीमती अनीता जी व श्रीमती वंदना जी को स्वअल्पाहार के लिए धन्यवाद दिया गया। अंत में अध्यक्षा जी द्वारा सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

आगरा: (2) साधारण बैठक; 29-12-2024 (रविवार); दोपहर 3.00 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती रजनी जी व राजश्री जी, 'पदम प्राइड'; अध्यक्षता: श्रीमती अल्पा जी; उपस्थिति: 25; समयबद्धता पुरस्कार: श्रीमती निशा जी

सभा की शुरुआत ईश प्रार्थना से की गई। तत्पश्चात अध्यक्षा जी द्वारा सभी का स्वागत व अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात दरेसी निवासी सुशील भार्गव जी की पत्नी श्रीमती कल्पना जी के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजली अर्पित की गई तथा सभा को 5 मिनट के लिए स्थगित किया गया।

सभा को पुन प्रारंभ करते हुए सचिव जी द्वारा गत बैठक की रिपोर्ट पढ़ी गई। उन सभी प्रतियोगियों को बधाई दी गई, जिन्होंने अखिल भारतीय भार्गव सभा में स्थान ग्रहण किया।

- स्थानीय भार्गव सभा आगरा की फाइल को सेकंड प्राइज मिला।
- ड्राई फूट्स ज्वेलरी में श्रीमती संगीता जी को फर्स्ट प्राइज मिला।
- हस्तकला में 'सांत्वना पुरस्कार' श्रीमती श्रेया जी व श्रीमती अंशु जी को मिला।
- नारी सशक्तिकरण, बालिका व महिला कल्याणकारी कार्यों के लिए श्रीमती प्रतिमा जी को प्राइज मिला।
- निबंध प्रतियोगिता में श्रीमती संगीता जी व श्रीमती श्रेया जी को थर्ड प्राइज मिला।
- डॉंस में कुमारी अरुणी को थर्ड प्राइज मिला। सभी को बधाई दी गई।

अखिल भारतीय भार्गव सभा के इलेक्शन में जीत कर आए, उनका स्वागत महिला सभा में किया गया।

इसके पश्चात श्रीमती डॉ. राजश्री जी ने डिप्रेशन के बारे में सभी को बताया और श्रीमती रजनी जी ने सभी जीते हुए लोगों को माला पहनाकर और गिफ्ट देकर स्वागत किया। फिर सभी से सलाह ली गई की खिचड़ी का प्रोग्राम कैसे किया जाए और सभी से पैसा एकत्रित करके संक्रान्ति के पहले खिचड़ी वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा। महिला सभा की 'कोषाध्यक्षा' दीपि जी ने आय-व्यय के बारे में बताया की कितना पैसा उनके पास है और कितना तीज पर खर्च किया गया था।

श्रीमती राजश्री जी ने दो गेम करवायें उसमें सभी ने आनंद लिया। अंत में सचिन जी द्वारा श्रीमती रजनी जी व श्रीमती राजश्री जी को स्वादिष्ट भोजन के लिए धन्यवाद दिया गया।

अंत में अध्यक्षा जी द्वारा सभा की समाप्ति की घोषणा की गई।

- संगीता भार्गव, सचिव, <sangeetabhargava473@gmail.com>

(आगरा भार्गव महिला सभा की उक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 07-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

हमारी महिला सभाएँ

अलवर: मासिक बैठक 'विशेष - नववर्ष व मकर संक्रांति'; 05-01-2025 (रविवार); दोपहर 3.00 बजे से; स्थान: भार्गव आश्रम अलवर; अध्यक्षता: श्रीमती अमिता जी (अध्यक्षा)

सर्वप्रथम समयबद्धता पुरस्कार निकाली गई। समयबद्धता पुरस्कार श्रीमती लता जी का निकला। कार्यक्रम का श्री गणेश श्री चरणदास जी की 108 नाम की माला से किया गया। गीता सार का समवेद स्वर में पाठन किया गया। तत्पश्चात् दिसम्बर माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई गई। अनुमोदन श्रीमती ब्रजेश्वरी एवं श्रीमती लता जी ने किया। नववर्ष की शुभकामनाएँ काव्य पाठ द्वारा अध्यक्षा जी ने दी। सभी महिलाओं ने नववर्ष में नये संकल्प लिये। पर्यावरण संरक्षण हेतु 'पक्षी दिवस' (5 जनवरी) पर पक्षियों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।



वीणा जी को भार्गव पत्रिका में अधिकतम लेख हेतु तथा सविता जी को निबन्ध प्रतियोगिता में 'प्रथम' पुरस्कार की प्राप्ति पर बधाई दी गई। ग्लोबल भार्गव महिला सभा के आदेशानुसार फाइल तैयार करने का व्यय अंजुरिमा जी द्वारा किया गया। अध्यक्षा जी ने धन्यवाद दिया। सचिव ने मकर संक्रांति के महत्व पर अपने विचार प्रकट किये। नववर्ष 2025 तथा गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) को 'शिवाय पैलेस' मनुमार्ग में आयोजित करने की और "पौष बड़ा" उत्सव मनाने की अध्यक्षा जी द्वारा घोषणा की गई। सभी सदस्यों द्वारा पुष्टि की गई। सपरिवार लंच पर आमंत्रित करने की घोषणा की गई। अखिल भारतीय भार्गव सभा के नव निर्वाचित विजेताओं को भी इसी अवसर पर सम्मानित किया जायेगा। नववर्ष में 'Get-Together' का आयोजन होगा। श्रीमती अपर्णा जी ने अपने वैवाहिक वर्षगाँठ पर 250/- रुपये महिला सभा को प्रदान किये। सचिव ने उन्हें सौभाग्य चिन्ह प्रदान किये। अल्पाहार हेतु महिला सभा को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अंत में अध्यक्षा जी की अनुमति से बैठक का समापन किया गया।

- अमिता भार्गव, (अध्यक्षा), मो.: 9828587499, 553, स्कीम नं. 2, अलवर
- वीणा भार्गव, (सचिव), मो.: 6378352167, 331, स्कीम नं. 8, अलवर

(अलवर भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 10-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

जबलपुर: साधारण बैठक; 08-01-2025 (बुधवार); स्थान: निवास श्रीमती मालती जी 'साकेत नगर, जबलपुर'

बैठक का शुभारंभ ईश वंदना एवं गीता के 12वें अध्याय के वाचन से किया गया।

इसके बाद चर्चा के दौरान दिनांक 21, 22 व 23 दिसम्बर 2024 को लखनऊ में आयोजित अधिवेशन में कुछ सजातीय बंधुओं द्वारा पुरस्कार वितरण को लेकर बाहर से आये जजों के साथ किये गये दुर्व्यवहार की निंदा की। तत्पश्चात् श्रीमती मालती जी के द्वारा हाऊजी खिलाई गई, जिसमें कीर्ति जी, दिव्या जी, सुहासिनी जी एवं दीपिका जी को पुरस्कार प्राप्त हुए। मनोरंजन के बाद मालती जी द्वारा स्वादिष्ट जलपान मटर की कचौड़ी के साथ कराया।

हमारी महिला सभाएँ

सचिव कीर्ति जी द्वारा मालती जी को बैठक आयोजित किये जाने एवं स्वादिष्ट जलपान कराने हेतु धन्यवाद देते हुए बैठक का समापन किया गया।

- कीर्ति भार्गव, (सचिव), <kirtibhargava68@gmail.com>

(जबलपुर भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 11-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

अजमेर: (1) मासिक बैठक; 09-10-2024 (बुधवार); सायं 4.00 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती रचना जी (हाथी बाटा); अध्यक्षता: श्रीमती पारूल पुनीत जी (अध्यक्षा)

सभा की शुरुआत ईश वंदना से हुई। तत्पश्चात् सभी ने मिलकर भगवान जी की आरती की और फिर प्रसाद ग्रहण किया। बैठक की शुरुआत गत बैठक की रिपोर्ट पढ़कर की गई। नवरात्रि के दिनों में देवी के पाँच भजन सभी ने मिलकर गाये। तत्पश्चात् दुर्गा चालीसा का पाठ किया गया।

इसके बाद ग्लोबल भार्गव महिला सभा की तदर्थ समिति की मीटिंग में होने वाले सारे खर्चों का हिसाब किया गया। कोषाध्यक्षा श्रीमती अंशु जी द्वारा सारा हिसाब सभा को बताया गया और कोषाध्यक्षा जी द्वारा सारा हिसाब सभा के सदस्यों को अवगत कराया गया।

अंत में रचना जी द्वारा सभी को स्वादिष्ट जलपान कराया गया। सभा के अंत में सचिव द्वारा सभी सदस्यों की तरफ से श्रीमती रचना जी को सुन्दर व्यवस्था व जलपान के लिये धन्यवाद दिया।

अजमेर: (2) मासिक बैठक; 23-11-2024 (शनिवार); सायं 4.00 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती रचना जी; अध्यक्षता: श्रीमती पारूल पुनीत जी (अध्यक्षा)

सभा की शुरुआत इस वंदना से हुई, तत्पश्चात् सभी ने मिलकर भगवान जी की आरती की और प्रसाद ग्रहण किया। बैठक की शुरुआत गत बैठक की रिपोर्ट पढ़कर की गई। तत्पश्चात् उत्तरा जी द्वारा जी.बी.एस. का पत्र आया था, उसे सचिव द्वारा पढ़कर सभा को उसमें होने वाली विभिन्न तरह की प्रतियोगिता के बारे में बताया गया। कौन-कौन सी प्रतियोगिता कब हैं, और कैसे भाग ले सकते हैं? तत्पश्चात् हाऊजी खेली गई। श्रीमती पारूल पुनीत जी द्वारा सुन्दर एवं स्वादिष्ट जलपान की व्यवस्था की गई थी, जिसका सभी सदस्यों ने आनंद लिया। सचिव द्वारा सभी सदस्यों की तरफ से सुन्दर व्यवस्था व स्वादिष्ट जलपान के लिए श्रीमती पारूल पुनीत और श्रीमती रचना जी, शुभदा जी को धन्यवाद दिया।



अजमेर: (3) मासिक बैठक; 30-12-2024 (सोमवार); सायं 3.30 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती अंशु जी; अध्यक्षता: श्रीमती पारूल पुनीत जी (अध्यक्षा)

सभा की शुरुआत इस वंदना से हुई, तत्पश्चात् सभी ने मिलकर भगवान जी की आरती की और प्रसाद ग्रहण किया। बैठक की शुरुआत गत बैठक की रिपोर्ट पढ़कर की गई। तत्पश्चात् सर्वप्रथम श्रीमती पारूल जी का ABBS में निर्वाचित सदस्य के रूप में चुने

हमारी महिला सभाएँ

जाने पर श्रीमती पारूल जी (सचिव) द्वारा माल्यार्पण कर और पट्टा पहनाकर स्वागत किया गया, सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित की। नव वर्ष के उपलक्ष्य में महिला सभा द्वारा सभा की सभी सदस्यों को पिकनिक ले जाने का निर्णय लिया गया। यह पिकनिक 12 जनवरी 2025 (रविवार) को ले जाना निश्चित किया गया। श्रीमती कुसुम भार्गव (हाथी भाटा) का निधन 5-12-2024 को हो गया है, उनकी आत्मा की शांति के लिए सभा ने 2 मिनट का मौन रखा। तत्पश्चात् सभी ने हाऊजी खेली। श्रीमती अंशु जी द्वारा स्वादिष्ट व्यंजन का सभी ने आनंद लिया। सचिव पारूल जी ने श्रीमति अंशु जी को सुंदर व्यवस्था व स्वादिष्ट व्यंजन के लिए सभी सदस्यों की तरफ से धन्यवाद दिया।

नव वर्ष के उपलक्ष्य में अजमेर भार्गव महिला सभा की महिलाओं ने 12-01-2025 को नारेली में पिकनिक का आनंद लिया।

- पारूल प्रणय भार्गव, (सचिव), <bhargavakohina24@gmail.com>

(अजमेर भार्गव महिला सभा की उपरोक्त तीनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 16-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

वाराणसी: नया साल उत्सव; 08-01-2025 (बुधवार); सार्व काल 3.15 बजे से; अध्यक्षता: श्रीमती कनिका जी (अध्यक्षा)

इस उत्सव का आयोजन श्रीमती कनिका जी (अध्यक्षा) एवं श्रीमती सोनल जी (सचिव) द्वारा संपन्न किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ईश वंदना के साथ की गई। श्रीमती कनिका जी एवं श्रीमती सोनल जी ने गुलाब की पंखुड़ियों से सबका स्वागत किया।

सभी ने नए साल उत्सव की थीम के हिसाब से बॉलीवुड स्टाइल के परिधान भी पहने। सभी सदस्य बॉलीवुड थीम के लिए डायलॉग याद करके आये। अलग-अलग अंदाज में सबने अपना टैलेंट दिखाया।

इस कार्यक्रम में तंबोला खेला गया व दो अन्य गेम्स श्रीमती आरती जी एवं श्रीमती कनिका जी द्वारा कराए गए। सभी भार्गव समाज की महिलाओं ने सखियों संग हर्षोल्लास के साथ डाँस किया व गाना गाकर वातावरण को आनंदमयी बनाया।

श्रीमती कनिका जी ने कार्यक्रम को सकुशल आनंदमयी बनाने के लिए एवं कीमती समय निकाल कर आने के लिए सबको धन्यवाद दिया। स्वादिष्ट भोजन के साथ, आनंद पूर्वक कार्यक्रम संपन्न हुआ।

K-14/4, जतनबर, विशेश्वरगंज, वाराणसी,
मो.: 8009370128, <kanika_bhargavas@yahoo.co.in>

कनिका भार्गव

अध्यक्षा

(वाराणसी भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 16-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

भार्गव मानसरोवर समिति, जयपुरः पौष बड़ा का कार्यक्रम; 12-01-2025 (रविवार); स्थान: अंकुर बैंकवेट हॉल; उपस्थिति: 180 से अधिक

इस अवसर पर पुरुष व महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर का आयोजन भी किया गया है। कार्यक्रम का समय 5 बजे से 8 बजे तक रखा गया है। पुरुष वर्ग में श्री विनय जी 'विजेता' और श्री मुकेश कुमार जी 'उपविजेता' रहे। महिला वर्ग में श्रीमती आभा जी 'विजेता' और श्रीमती वंदना जी 'उपविजेता' रही।

कार्यक्रम की शुरुआत ईश वंदना और परशुराम जी की तस्वीर पर माल्यार्पण करके हुई। हाल ही में सम्पन्न अखिल भारतीय भार्गव सभा के चुनाव में मानसरोवर निवासी Adv. श्री अजय भार्गव (उपाध्यक्ष) के पद पर निर्वाचित होने और मानसरोवर का नाम रोशन करने पर समिति के श्री अजय प्रकाश भार्गव (उपाध्यक्ष, जयपुर भार्गव सभा) द्वारा उनको दुपट्टा और माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया।



मानसरोवर में आये नवे परिवार के सदस्यों का भी परिचय और स्वागत किया गया। समिति कि कार्यकारणी का कार्यकाल भी समाप्त होने पर वरिष्ठ सदस्य श्री अशोक वर्धन जी को

प्रेक्षक नियुक्त किया गया, जिनकी देख-रेख में नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। उन्होंने सभी नई कार्यकारिणी के सदस्यों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर स्थाई वरिष्ठ सदस्य श्री अशोक भार्गव जी द्वारा मानसरोवर समिति के स्थाई सदस्य के लिए श्री अजय प्रकाश भार्गव के नाम का अनुमोदन किया, जिसका सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर समर्थन किया। नई कार्यकारिणी के सदस्य के नाम इस प्रकार से हैं:-

- श्री अशोक भार्गव - स्थाई सदस्य;
- श्री अंकुर भार्गव - स्थाई सदस्य;
- श्री अजय प्रकाश भार्गव - स्थाई सदस्य;
- श्री समीर भार्गव - सदस्य;
- श्री अजय भार्गव (PNB) - सदस्य;
- श्री मुकेश कुमार भार्गव - सदस्य;
- श्री राकेश भार्गव (कान्हा) - सदस्य;
- पराग भार्गव - सदस्य;
- हेमंत भार्गव - सदस्य;
- राजीव भार्गव - सदस्य;
- श्री प्रह्लाद दास भार्गव - सदस्य।

कार्यक्रम के लिए कुछ सम्मानित सदस्यों से अनुदान प्राप्त हुआ:- श्रीमती सुनीता भार्गव-1100/- रुपये;

- श्रीमती सुधा भार्गव-1100/- रुपये;
- गुप्त सहयोग-5100/- रुपये;
- गुप्त सहयोग-2100/- रुपये;
- श्री मुकेश कुमार भार्गव 'संयोजक भूग्र सदन जयपुर भार्गव सभा'- 1100/- रुपये;
- गुप्त दान-1100/- रुपये।

सभी सहयोगकर्ताओं को समिति की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद। कार्यक्रम में 2 राडंड तंबोला भी खिलाया गया जिसका आनंद सभी के द्वारा लिया गया। इसमें लकी ड्रा का भी आयोजन किया गया। सभी विजेताओं को बहुत बहुत बधाई। संयोजक श्री अजय भार्गव (PNB) और स्थाई सदस्य श्री अशोक भार्गव द्वारा इस सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों और कार्यकारणी सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित किया। अंत में सभी ने स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठाया। समिति श्री अंकुर जी (अंकुर बैंकवेट हॉल) को हमेशा की तरह सभी सेवा प्रदान करने और उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देती हैं।

अजय भार्गव (PNB), संयोजक

(भार्गव समिति मानसरोवर जयपुर की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 13-01-2025 को प्राप्त हुई है।)

सुरेश भार्गव, सह संयोजक

We Make Your First Impression..



KUMAR LABELS

Noida | Goa | Indore

+91 99101 61978 | ideas@kumarlabels.com

*With
Best
Compliments
From*



SURESH BHARGAVA

Mob.: 09811127126

NEERA BHARGAVA

Mob.: 09811066272



180, SIDDHARTHA ENCLAVE
NEW DELHI - 110 014

With Best Compliments From

Calcutta Security Printers Limited

**PRINTERS OF CHEQUES, DRAFTS, BONDS,
DIVIDEND WARRANTS, POSTAGE STAMPS & STATIONERY
PACKAGING & PUBLICITY MATERIALS**

Registered Office & Works :

12/478-A, McRobert Ganj, KANPUR – 208001

Phones : (0512) 2525197, 2526105, 2525798 • Fax : (0512) 2555491

E-mail : cspl@live.com • cspcomm@gmail.com



Branch Office :

Unit A-III (1st Floor), Central Plaza, 41, B.B. Ganguly Street, KOLKATA–700012

Phones : 09903432912 • Fax: (033) 22287866

With best compliments from



**rainbow
convertors**



Prabhu Niwas, 74/11 - Vijay Nagar, Gurudwara Road, Lucknow-226 004
Tel.: 0522-4037600 Mob.: 9839007600 • E-mail: rainbow.convertors@gmail.com

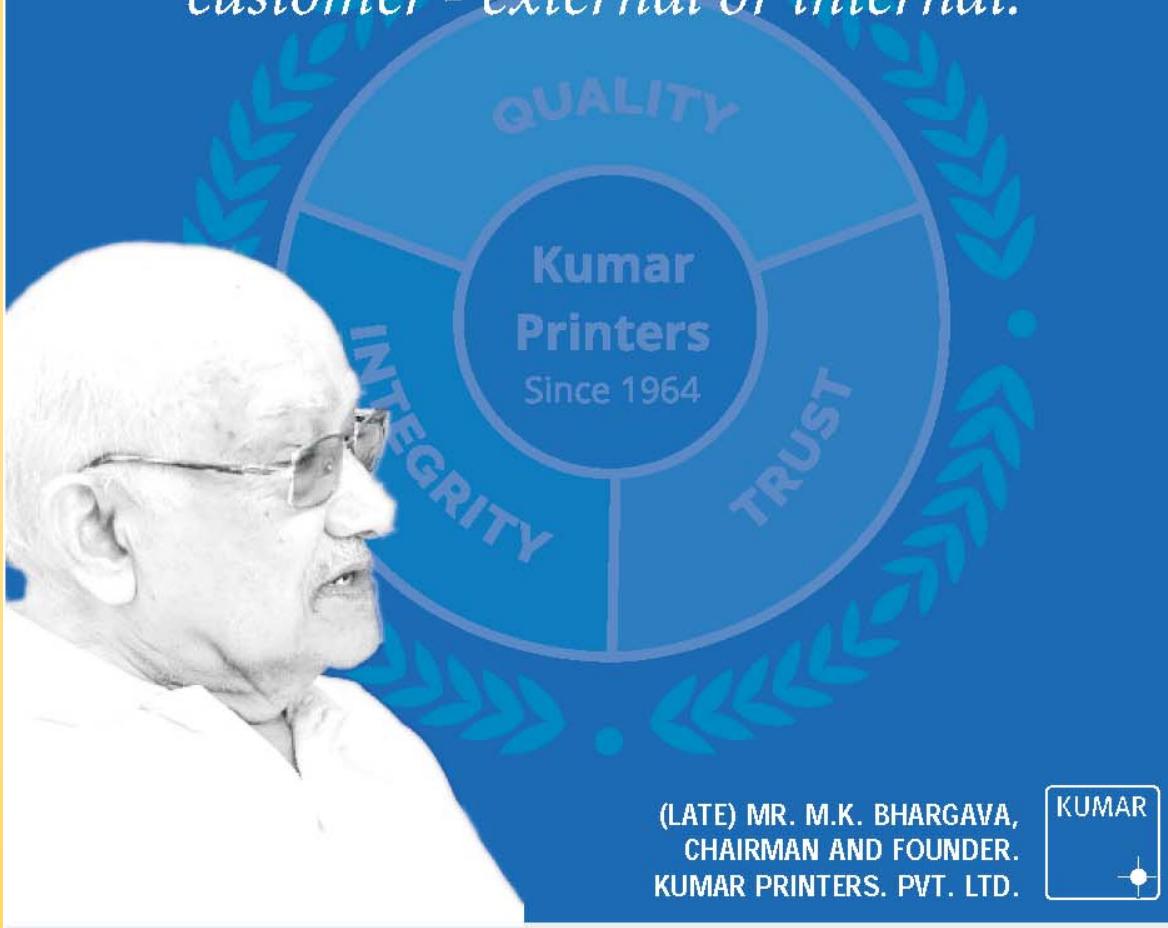
**Cut Size Paper Conversion on Automatic Machines with
in-line Wrapping, Paper Mill Finishing House Operations**

Works:

**Orient Paper Mill, Amlai, M.P.
Bindals Papers Mills Ltd., Muzaffarnagar, U.P.**

BRC, SEDEX, ISO & FSC certified paperboard packaging from India; we are your partners from design to delivery.

“In the entire journey of Kumar Printers, we have never short charged any customer - external or internal.”



(LATE) MR. M.K. BHARGAVA,
CHAIRMAN AND FOUNDER.
KUMAR PRINTERS. PVT. LTD.



Kick start the design process with our packaging experts

www.kumarprinters.com



Published on 24 of every month

RNI No. 4704/1957

DL-SW-01/4212/2024-26

Posted on 25-26 same month at LPC Delhi RMS, Delhi-110006 WPP No.: U(SW)-35/2024-26

SUSTAINABLE SOLUTIONS



COLORANT®
Quality is Colorant

GOTS Certified



COLRON®
Reactive Dyes

COLORANT LIMITED

Plot No. 116, Phase II, G.I.D.C. Vatva, Ahmedabad 382 445, Gujarat, INDIA
Phone: +91 79 4030 7233 / 4583 • Email: mktg@colorantindia.com

www.colorantindia.com

प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक श्री एच.एन. भार्गव द्वारा अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) की ओर से रैकमो प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, I-57, UPSIDC इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-V, कासना, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.) से मुद्रित तथा अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.), 305, 3rd Floor, एवलोन अपार्टमेन्ट, न्यू मंगलापुरी, मेहराली-गुडगाँव रोड, नई दिल्ली-110030 से प्रकाशित। — सम्पादक : श्री एच.एन. भार्गव